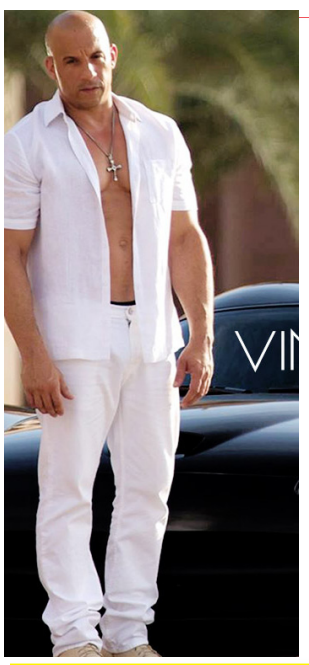

RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

समाचार–पत्र

वर्ष 05 | अंक 169 | कुशीनगर | मंगलवार 20 अप्रैल, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये

दिल्ली में छह दिनों का लॉकडाउन

नईदिल्ली,(एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को देश में 2,73,810 नए मामले सामने आए। भारत में कोविड–19 के एक्टिव मामलों की संख्या 19 लाख से ज्यादा हो चुकी है, जो कुल संक्रमित केस का 12.18 फीसदी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पांच राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल से भारत के कुल एक्टिव केस का 65.02 फीसदी है। वहीं रविवार को एक दिन संक्रमण से सबसे ज्यादा मौतें (1619) दर्ज की गई। वहीं राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और बिगड़ते हालात के बीच केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार सप्ताहांत में लगाए जाने वाले कर्फ्यू की अवधि को बढ़ा दिया गया है। अब दिल्ली में आज रात से लेकर अगले सोमवार की सुबह तक कर्फ्यू लागू रहेगा। अब से कुछ देर में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसका औपचारिक ऐलान करेंगे। मालूम हो कि राजधानी दिल्ली में कोरोना हर रोज रिकॉर्ड तोड़ रहा है। हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया था कि दिल्ली में 24 घंटे में लगभग 25,500 मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर की रफ्तार 24 से बढ़कर 30 प्रतिशत पहुंच गई है। दिल्ली सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजधानी में बेड बढ़ाने की मांग भी की गई है। अगले कुछ दिनों में राजधानी को छह हजार ऑक्सीजन बेड मिल जाएंगे। केजरीवाल ने कहा था कि अभी कोरोना के मरीजों की संख्या बढने की गति जारी है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि पॉजिटिविटी रेट 30 प्रतिशत बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण दर 24 से बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया है। कोरोना के लिए जो बेड रिजर्व है वह काफी तेजी से खत्म हो रहे हैं। आईसीयू बेड की दिल्ली में कमी हो गई है। 100 से भी कम आईसीयू बेड खाली हैं। ऑक्सीजन की भी दिल्ली में काफी कमी है। वहीं ऑक्सीजन और रेमडेसेविर की कमी को लेकर दिल्ली सरकार ने एक्शन लिया है। एक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सप्लाई का डाटा रखा जाएगा। सरकार ने इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति कर दी है।

लॉकडाउन के दौरान इन पाबंदियों का ऐलान

बेवजह दिल्ली में बाहर निकलने की इजाजत नहीं होगी। सिर्फ जरूरी क्षेत्र से जुड़े लोग बाहर आ पाएंगे। सभी प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्रॉम होम ही करना होगा। सरकारी दफ्तर में आधे ही अफसर आ सकेंगे।

वैक्सीन लगवाने जाने वाले लोगों को लॉकडाउन में छूट मिलेगी। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टेशन जाने वाले लोगों को भी छूट मिलती रहेगी। उन्हें अपना वैलिड टिकट अपने साथ रखना होगा। मेट्रो, बस सर्विस चालू रहेंगी, लेकिन 50% यात्रियों को इजाजत मिलेगी।

बैंक, एटीएम और पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। धार्मिक स्थलों को खुला रखा जाएगा, लेकिन किसी विजिटर के जाने की इजाजत नहीं होगी।

जरूरी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आईडी कार्ड दिखाने पर ही बाहर सफर करने दिया जाएगा। एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाले सार्वजनिक परिवहन जारी रहेंगे।

किसी भी सार्वजनिक, राजनीतिक, धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन पर पाबंदी रहेगी। किसी स्टेडियम में कोई मैच या आयोजन बिना दर्शकों के किया जाएगा।

सभी थियेटर्स, ऑडिटोरियम, स्पा, जिम, स्वीमिंग पूल को बंद रहेंगे। पहले से तय शादियों को छूट मिलेगी। उसके लिए भी ई–पास लेना होगा।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में लगातार कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इससे प्रशासन की नींद हराम हो गई है। वहीं अब गोरखपुर में कोरोना संक्रमित मृतकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

चीन से निरर्थक बातचीत कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रही है सरकार: राहुल

नईदिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रही है और चीन के साथ उसकी बातचीत निरर्थक रही है। उन्होंने ट्वीट किया, श्गोगरा–हॉट स्प्रिंग्स और देपसांग में चीन का कब्जा दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी समेत भारत के सामरिक हितों के लिए सीधा खतरा है।रू कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, श्भारत सरकार ने (चीन के साथ) निरर्थक बातचीत करके राष्ट्रीय सुरक्षा को बड़े पैमाने पर खतरे में डाल दिया है।रू राहुल गांधी ने

यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें आई हैं कि पूर्वी लद्दाख गोगरा–हॉट स्प्रिंग्स और देपसांग से अपने सैनिक पीछ हटाने से मना कर दिया है। भारतीय सेना ने पिछले दिनों एक बयान में कहा था कि दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले शेष हिस्सों हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग से सैनिकों की वापसी को लेकर विस्तृत चर्चा की और संयुक्त रूप से जमीन पर स्थायित्व कायम करने, नए विवादों से बचने और शेष मुद्दों के शीघ्र निपटारे पर सहमति जतायी है।

राजस्थान में आज से 15 दिन का लॉकडाउन लागू

जयपुर,(एजेंसी)। देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के केसों को देखते हुए राजस्थान ने संक्रमण रोकने के लिए 19 अप्रैल से 3 मई तक के लिए लॉकडाउन लगा दिया है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने इसे रूजन अनुशासन पखवाड़ारू नाम दिया है। इस दौरान जरूरी सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी सेवाएं बंद रहेंगी। सभी सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। बाजार, मॉल, सिनेमाघर और रेस्तरां बंद रहेंगे। होम डिलीवरी के लिए छूट रहेगी। मजदूरों का पलायन न हो इसलिए कंस्ट्रक्शन वर्क जारी रहेगा। इंडस्ट्रीज को भी लाकडाउन से छूट दी गई है। केंद्र सरकार की आवश्यक सेवाओं से जुड़े कार्यालय एवं संस्थान खुले रहेंगे, यहां कर्मचारियों को पहचान पत्र के साथ जाने की अनुमति रहेगी। दूसरे राज्यों से आने वालों को 72 घंटे के अंदर करवाई आरटी पीसीआर जांच रिपोर्ट दिखानी होगी।

अतिरिक्त दवाओं और टीके के लिए पीएम से अनुरोध किया है: ममता बनर्जी

कोलकाता,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड–19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अतिरिक्त दवाओं और टीके की मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए सरकार आज दिशा–निर्देश जारी करेगी। बनर्जी ने ट्वीट किया है, ''देश भर में कोविड–19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पश्चिम बंगाल सरकार भी अपने लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। मैंने प्रधानमंत्री से अतिरिक्त दवाओं और टीके की मांग की है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने सभी शीर्ष अधिकारियों को विस्तृत व्यवस्था करने का निर्देश दिया है और पश्चिम बंगाल में कोविड–19 हालात से निपटने के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रयास तेज करने को कहा है।'' बनर्जी ने रविवार को कहा था कि तृणमूल कांग्रेस कोलकाता में छोटी–छोटी जनसभाओं का आयोजन करेगी और अंतिम तीन चरणों में जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होने हैं वहां संक्षिप्त भाषण देंगी। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने ट्वीट किया है, ''ममता बनर्जी अब कोलकाता में चुनाव प्रचार नहीं करेंगी। शहर में प्रचार के अंतिम दिन 26 अप्रैल को सिर्फ एक सांकेतिक बैठक होगी। सभी जिलों में चुनावी रैलियों के समय में भी कटौती की गई है। अधिकतम 30 मिनट का समय तय किया गया है।

राम नाईक कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम

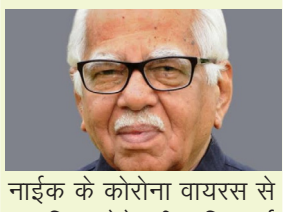

नाईक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उनके कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, वह गृह–पृथकवास में हैं और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। बयान के अनुसार, ''उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। वह स्व–पृथकवास में हैं।'' इस बयान में कहा गया है कि नाईक को बुखार आने के बाद उनकी जांच करायी गयी थी।

गुजरात में कोरोना संबंधी मौतों पर सही सूचना नहीं दी जा रही है: चिदंबरम

नईदिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाते हुए यह कहा कि गुजरात में कोरोना संबंधी मौतों के बारे में सही सूचना नहीं दी जा रही है। चिदंबरम ने कहा, कोविड संबंधी मौतों को लेकर गलत रिपोर्ट पेश किया जा रहा है। इनके पीछे दिल का दौरा पडने या क्रॉनिक डायबिटीज को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को गुजरात में कोरोना से संबंधित 78 मौतें होने की बात कही गई थी, जबकि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अकेले सात शहरों में 689 शवों का दाह संस्कार किया गया। चिदंबरम ने आगे कहा, यही है गुजरात मॉडल। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में रविवार को कोरोना के 2,61,500 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक दिन में दर्ज किया गया अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या 1,47,88,109 हो गई है। पिछले कुछ दिनों से देश में कोरोना के दो लाख से अधिक मामले दर्ज हो रहे हैं। शनिवार को भी दर्ज मामलों की संख्या 2,34,692 थी और गुरुवार व शुक्रवार को भी क्रमशरू 2,00,739 व 2,17,353 मामले दर्ज किए गए थे।

मायावती की मांग, कोरोना टीका और ऑक्सीजन का आयात करे केंद्र सरकार

लखनऊ,(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने विभिन्न राज्यों में कोविड–19 के टीके और अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी पर सोमवार को चिंता जाहिर करते हुए केंद्र सरकार से दोनों का आयात करने का अनुरोध किया है और जनता को कोरोना प्रोटोकॉल का का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी बदले हालात में लोगों को संभल कर रहने की सलाह दी। मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया, ''देश के विभिन्न राज्यों में कोविड–19 के टीके और अस्पतालों में ऑक्सीजन की जबर्दस्त कमी को देखते हुए केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इनकी आपूर्ति

सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर विशेष ध्यान दे और यदि इसके लिए आयात करने की जरुरत पड़ती है तो आयात भी किया जाए। अपने सिलसिलेवार ट्वीट में मायावती ने लिखा, साथ ही, देश की जनता से भी पुनः अपील है कि राज्य सरकारों द्वारा कोरोना महामारी से बचाव के उपाय के तहत जो भी सख्ती तथा सरकारी दिशा–निर्देश दिए जा रहे हैं उनका कड़ाई से अनुपालन करें ताकि कोरोना प्रकोप की रोकथाम हो सके। लोग भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। पूर्व मुख्यमंत्री ने अगले ट्वीट में कहा, इसके अलावा, कोरोना वायरस अब युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगा है, जो काफी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

फडणवीस का रेमडेसिविर की जमाखोरी करना मानवता के खिलाफ अपराध: प्रियंका

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने महाराष्ट्र में एक फार्मा कंपनी के निदेशक से पूछताछ से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा औरआरोप लगाया कि ' भाजपा नेता का रेमडेसिविर इंजेक्शन की जमाखोरी करना मानवता के खिलाफ अपराध है। ' उन्होंने फडणवीस के राज्य के एक

थाने पहुंचने से जुड़ा वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ''जब देश के कोने–कोने से लोग रेमडेसिविर उपलब्ध कराने की गुहार लगा रहे हैं और तमाम लोग जान बचाने के लिए किसी तरह एक शीशी रेमडेसिविर जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं, उस समय जिम्मेदार पद पर रह चुके भाजपा नेता का रेमडेसिविर की जमाखोरी करने का कृत्य मानवता के खिलाफ अपराध है।'' उल्लेखनीय है।

वित्त मंत्री का दावा, लोगों की जान और आजीविका बचाने के लिए काम कर रही है सरकार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि उन्होंने भारत में कोविड–19 के प्रकोप को रोकने के संबंध में विभिन्न उद्योग संगठनों से सलाह ली है और केंद्र सरकार, राज्यों के साथ मिलकर लोगों की जान और आजीविका बचाने के लिए काम करती रहेगी। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान से बचने के लिए कारोबारियों से सुझाव भी मांगे। कोरोना वायरस महामारी के चलते पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के दौरान अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत का संकुचन हुआ था। वित्त मंत्री ने

ट्वीट किया, ''इन व्यवसाय ध चौंबर नेताओं में से प्रत्येक के साथ टेलीफोन पर बात की। उद्योग और उद्योग संघों से जुड़े मामलों पर उनकी राय ली। उन्हें बताया कि भारत सरकार विभिन्न स्तर पर कोविड की रोकथाम कर रही है। जीवन और आजीविका बचाने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' वित्त मंत्री ने सीआईआई प्रमुख उदय कोटक, फिक्की के अध्यक्ष उदय शंकर और एसोचैम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल सहित उद्योग संघों के प्रमुखों से बात की। इसके अलावा उन्होंने टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन, एलएंडटी के अध्यक्ष ए एम नाइक, टीसीएस के प्रबंध निदेशक राजेश गोपीनाथन है।

जिलाधिकारी ने नगर में किया कन्टेनमेन्ट जोन में सर्वे, कान्टेक्ट ट्रेसिंग एवं सैम्पलिंग कार्य का निरीक्षण

– शिथिलता क्षम्य नही
– होम आइसोलेटेड घरों में अनिवार्य रुप से लगाये पोस्टर
– स्वास्थ्य कर्मियों एवं उपस्थित सर्वे टीम को दिए आवश्यक निर्देश
– कान्टेक्ट ट्रेसिंग पर दिया जोर,' 'संदिग्ध लक्षण वाले की सूची बनाकर अवश्य ही कराये सैम्पलिंग

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन नगर में चल रहे सैम्पलिंग एवं कान्टेक्ट ट्रेसिंग कार्यो का जायजा दो केन्द्रों पर पहुँचकर किया एवं उपस्थित चिकित्साधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों, एएनएम, आंगनवाडी कार्यकर्तियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी आज नगर में विजय टाकिज के पास सैम्पलिंग केन्द्र पहुंचे और उपस्थित चिकित्सक डा सुधाकर एवं डिप्टी सीमएमओ डा एस के चौधरी से सैम्पलिंग कार्य की जानकारी की। इसके उपरान्त उन्होने चकियवां में सैम्पलिंग कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि प्रमुख तौर पर कोविड पाजिटिव के सम्पर्क में आने वाले लोगो का सर्वे कर उनकी सूची बनायी जाये और संदिग्ध लक्षण वाले का प्रथमतः उनकी सैम्पलिंग की जाये। इस कार्य में उन्होने एएनएम, आंगनवाडी कार्यकर्तियों को पूरी तत्परता से कार्य किए जाने का निर्देश दिया। कहा कि पाजिटिव केस के सम्पर्क में आने वाले हर व्यक्ति का कान्टेक्ट ट्रेसिंग अनिवार्य रुप से होना चाहिये और जिसमें भी संदिग्ध लक्षण दिखें या उसके द्वारा बताया जाये, उसकी टेस्टिंग अनिवार्य रुप से सुनिश्चित करायी जाये। साथ ही उन्होने होम आइसोलेटेड घरों में पोस्टर भी लगाये जाने का निर्देश भी दिया। कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की कोताही नही होनी चाहिये। पोस्टर लगाये जाने से लोगो में बचाव एवं सर्तकता रहती है। इसलिये यह कार्य अत्यन्त ही आवश्यक है। निरीक्षण के इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन कुवर पंकज, डिप्टी सीएमओ डा एस के चौधरी, चिकित्साधिकारी डा सुधाकर व अन्य जुडे स्वास्थ्य कर्मी आदि उपस्थित रहे।

गांव में दूध, छाछ, घी दुकानों में नहीं, घरों में मिलते, जहां मिलावट नहीं सिर्फ भावनाएं होती

– गांव से बेहतर जीवन कोई नहीं..!

अमिट रेखा शक्ति ओम सिंह

खजनी गोरखपुर। कहा जाता है कि हम विकट परिस्थितियों में ही कई बार उन चीजों का महत्त्व समझ पाते हैं जिनकी अहमियत हमें सामान्य परिस्थितियों में नहीं होती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं देश के गांवों की क्योंकि जब हमारे देश के बड़े–बड़े महानगर और प्रदेशों की राजधानियों का दम फूलने लगा है! यहां का समाज आज वर्तमान महामारी में हांफ रहा है! तो वहीं आज हमारे गांव इस महामारी में उन लोगों के लिए वरदान साबित हुए जो कभी गांव से शहर की ओर रोजगार की तलाश में पलायन कर गए थे या ये लोग मानते थे कि शहरी जीवन ही बेहतर है और सुखद भी!उनकी इस धारणा को वर्तमान महामारी ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और बता दिया कि गांव देश और यहां के लोगों के लिए कितने महत्त्वपूर्ण हैं। क्योंकि एक गांव ही है जो लोगों को अपनेपन का अहसास दिलाता है।शायद यही कारण है कि गांधीजी ने हमें गांव का महत्त्व दशकों पहले बता दिया था इसके अलावा गांव में शहरों की तरह आपाधापी नहीं होती है। यहां का जीवन बहुत सरल और शांत स्वभाव का होता है यहां पर शहरों की तरह तंग गलियां नहीं होतीं, सूनी सड़कें होती हैं फिर भी आदमी खुद को अकेला महसूस नहीं करता। बड़े–बड़े महानगरों में बंद पानी की टंकियों का जल दूषित कर दिया जाता है और एक गांव है जहां खुले कुएं का पानी भी स्वच्छ होता है। शहरों के बारे में हमारे एक दोस्त व्यंगकार लिखते हैं कि सुना है कि शहर इतनी तरक्की कर गया कि एक उसने अरसे से पक्षियों की आवाज नहीं सुनी और एक गांव हैं जहां आप पक्षी की आवाज में भेद करके बता सकते हैं कि यह किस पंछी की आवाज थी। यहां पर शहरों की तरह वायु प्रदूषण की परतें नहीं दिखतीं,बल्कि प्रकृति अपने सौंदर्य को दिखाती है। गांव में दूध, छाछ, घी दुकानों में नहीं, घरों में मिलते है, जहां मिलावट नहीं, भावनाएं होती हैं। गांव में दुधारू पशु सड़कों पर नहीं होते, बल्कि इनके लिए घरों में एक अलग स्थान तय किया जाता है। गांव में शहरों की तरह वृक्षारोपण का ढोंग हो या न हो, लेकिन पेड़ों को अनावश्यक तरीके से नहीं काटा जाता। प्रकृति खुद को गांव में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा दें, जैसे प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था, आरंभिक शिक्षा व्यवस्था, रोजगार की उपलब्धता आदि तो यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि गांव से बेहतर जीवन कोई नहीं हो सकता है। गांव में किसी महामारी से निपटने में आसानी होती है, क्योंकि गांव में आबादी की सघनता अधिक नहीं होती है। इसके अलावा, यहां पर निगरानी तंत्र के लिए किसी कानूनी अमले की इतनी अधिक जरूरत नहीं होती है। यहां पर आपसी लोग एक दूसरे से सामाजिक सामंजस्य स्थापित कर व्यवस्था को सफल बना देते हैं। यही सब कारण गांव को वर्तमान में और प्रसांगिक बना देते हैं और बताते हैं कि जब हम पर कोई संकट आए तो हमारा ग्रामीण तंत्र भी इससे निपटने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

नाली के विवाद में जमकर चले लाठी डंडे

ऊँचाहार/रायबरेली । कोतवाली क्षेत्र के खजूरी मजरे इटौरा बुजुर्ग गांव में नाली के विवाद में पड़ोसियों ने लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया, घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।रविवार की दोपहर गांव निवासी किरन देवी का नाली के विवाद में पड़ोसियों से कहासुनी हो गई जिसमें पड़ोसियों ने लाठी डंडे से किरन देवी 35 व उसकी सास सूर्यकली 65 को लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ एम के शर्मा ने बताया कि मारपीट में घायल दो महिलाओं का सीएचसी में इलाज किया गया है। कोतवाल विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मारपीट की जानकारी नहीं मिली है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

लोक आस्था का महापर्व चौत्र छठ पर श्रद्धालूओं ने किया सूर्य की उपासना

अमिट रेखा–अल्केन्द्र पाण्डेय तहसील प्रभारी

तमकुहीराज–कुशीनगर। उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख त्योहारों में से एक छठ पूजा को लोक आस्था के रूप में मनाने की परंपरा सदियों से

चली आ रही है। संतानों की रक्षा तथा दीर्घायु होने की मंगल कामना के साथ चार दिनों तक चलने वाले छठ पर्व की शुरुआत इस बार दिनांक 16 अप्रैल नहाय–खाय,17 अप्रैल खरना,18 अप्रैल के शाम छठ घाट पर अस्तलागामी सूर्य को अर्घ्य व 19 अप्रैल को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ पूजा का समापन व्रती महिलाओं द्वारा पारण कर किया गया। चूंकि इस बार का चौत्र छठ महापर्व वैश्विक महामारी कोरोना के अवधि में पड़ा है। इस दौरान तमकुही राज विकास खण्ड के अधिकांश छठ घाटों जैसे हरिहरपुर,कोईन्दी बुजुर्ग, बरियारपुर, चखनी खास,मेहदियां, गोसाईं पट्टी आदि में अपेक्षा से कम भीड़ देखने को मिली। बताते चलें कि छठ पर्व वर्ष में दो बार मनाएं जाने वाला सनातन धर्मावलंबियों का प्रमुख त्यौहार है। कार्तिक मास व चौत्र मास के शुक्ल पक्ष के षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले छठ पर्व का धार्मिक एवं सामाजिक महत्व है। वर्ष का दोनों छठ ऐसे समय पर मनाया जाता है जब नई फसल काटकर घर आता है। सूर्य देव की कृपा से किसानों का घर अनाज से भर जाता है। इसलिए भी सूर्य देव के प्रति आभार प्रकट करने के लिए छठ पर्व मनाया जाता है।किदवन्तीयो के अनुसार छठ को छठी मैया भी कहा जाता है।यह षष्ठी तिथि की स्वामीनी है और ब्रम्हा की मानस पुत्री। भगवान सूर्य की बहन होने के वजह से छठ मैया के साथ सूर्य देव की भी पूजा की जाती है। कहा जाता है कि भगवान राम भी छठ पूजा किया करते थे। क्योंकि सूर्य देव उनके कुल देवता थे। देवी सीता के साथ भगवान राम डुबते व उगते सूर्य की उपासना किया करते थे।

जिलाधिकारी ने कोविड संक्रमण के प्रभारी नियंत्रण के लिए मोबाईल मेडिकल यूनिटों को सक्रिय किए जाने का दिया निर्देश

– संसाधनों की उपयोग हेतु कार्य योजना बनाये जाने का भी दिया निर्देश
– दिए गए निर्देश का अनिवार्य रुप से अनुपालन किए जाने की, की अनिवार्यता
– स्वास्थ्य विभाग में उपलब्ध सभी संसाधनों का इस कार्य में किया जाये अनिवार्य रुप से उपयोग

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कोविड के बढते संक्रमण के दृष्टिगत मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने में प्राथमिकता के साथ किए जाने का निर्देश दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा आलोक पाण्डेय एवं सह प्रभारी आईसीसीसीध्ज्वाईन्ट मजिस्ट्रेट सुमित यादव को दिए गए निर्देशों के क्रम में कहा है कि जनपद में उपलब्ध मोबाईल मेडिकल यूनिटों एवं उनके साथ सम्बद्ध संसाधनो को कोविड प्रबंधन में जनहित के दृष्टिगत उपयोग किया जाए। इसके साथ ही उन्होने कहा है कि आईसीसीसी से साप्ताहिक कार्य योजना एवं मूवमेन्ट प्लान मोबाईल मेडिकल यूनिट प्रभारी को उपलब्ध कराया जाये एवं उस कार्य योजना की सूचना प्रबंध निदेशक कार्यालय को भी भेजा जाये। जिलाधिकारी ने इस कार्य योजना में प्रमुख रुप से होम आईसोलेट कोविड संक्रमित मरीजों को कोविड प्रोटोकल का पालन करते हुए डोर स्टेट चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना, कन्टेनमेन्ट जोन में कोविड संक्रमित मरीजों के सम्पर्क में आये व्यक्तियों को भी कोविड प्रोटोकाल का पालन करने हेतु चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाना सम्मिलित किया जाये। कन्टेनमेन्ट जोन में अवस्थित लक्षणयुक्त व्यक्तियों को चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराये जाने, इस जोन में चिकित्सा विभाग की टीमों द्वारा किए जा रहे सर्वे कान्टेक्ट ट्रेसिंग के कार्य में कोविड प्रोटोकाल का पालन व सक्रिय सहयोग प्रदान करने हुए सर्वे व काण्टेक्ट ट्रेसिंग की गुणवत्ता में वृद्धि करने को कार्य योजना में सम्मिलित किया जाये। साथ ही कंटेनमेंट जोन में आवश्यक जीवन रक्षक एवं इम्यूनिटी में वृद्धि करने वाली दवाओं के वितरण में स्वास्थ्य विभाग के टीमों को कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए सक्रिय सहयोग प्रदान करने की कार्ययोजना बनायी जाये। आईसीसीसी से कार्य योजना के सापेक्ष प्रतिदिन की गयी प्रगति का आकलन करते हुए एक रिर्पोटिंग फार्मेट विकसित कर मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रभारी को उपलब्ध कराया जाये तथा प्रतिदिन सूचना की आनलाईन की इन्ट्री गुगल शीट पर कराते हुए प्रतिदिन एमआईएस सायं काल की कोविड मीटिंग में उसे अनिवार्य रुप से रखा जाये। साथ ही उन्होने मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रभारी को प्रगतिदिन सायंकाल की कोविड मीटिंग में अनिवार्य रुप से उपस्थित रहने एवं इस निर्देश का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का निर्देश सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिया है। साथ ही किसी भी शिथिलता के लिए आगाह भी किया है।

जिलाधिकारी ने कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सैम्पलिंग एवं चिकित्सा परामर्श हेतु नामित किया नोडल अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी

– शिफ्टवार प्रभारी चिकित्साधिकारियों एवं फर्मासिस्टों की लगायी गयी ड्यूटी
– सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता से किये जाने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश
– समस्त चिकित्साधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ व स्वास्थ्य कर्मी जिला चिकित्सालय में प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक अनिवार्य रुप से रहेगें उपस्थित

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कोविड आपदा प्रबंधन एवं सैम्पलिंग, चिकित्सा परामर्श आदि कार्यो के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग के चिकित्साधिकारियों फर्मासिस्टों आदि की ड्यूटी चक्रानुक्रम में प्रतिदिन के लिए लगायी है। इसके साथ ही उन्होने यह भी कहा है कि ओपीडी बन्द होने के बावजूद समस्त चिकित्साधिकारीध्पैरामेडिकलध्चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रत्येक दिन प्रातः 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक जिला चिकित्सालय में अनिवार्य रुप से उपस्थित रहेगें, कोई भी अवकाश मेरे संस्तुति के उपरान्त ही मान्य होगा। उन्होने नामित सभी नोडल अधिकारियों, प्रभारी चिकित्साधिकारियों, फर्मासिस्टों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अपने तैनाती अवधि में अनिवार्य रुप से उपस्थित रहने व दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता से किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा है कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता कदापि न हो, अन्यथा कडी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी श्री निरंजन ने बताया कि विभिन्न कार्यो के लिए 5 नोडल अधिकारी प्रतिदिन के लिए नामित किए गए है। इसी क्रम मे उन्होने बताया कि डा अकील अहमद एण्टीजेन एवं ट्रूनेट सैम्पलिंगधरिपोर्टिंग व पैथालाजी हेतु, डा0 सुबाष सिंह आरटीपीसीआर सैम्पलिंगधरिपोर्टिंग हेतु, डा एच के मिश्रा साफ–सफाई, एम्बुलेन्स व डाटा फिडिंग हेतु, डा एस एस द्विवेदी शव वाहन के तथा राधेश्याम राय चीफ फार्मेसिस्ट को औषधि भण्डार का नोडल अधिकारी नामित किया गया है, ये सभी नोडल अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन प्रतिदिन सुनिश्चित करेगें। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि कोविड हेल्प डेस्कध फीवरध्सम्भावित कोविड परामर्श हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारियों की ड्यूटी चक्रानुक्रम में लगायी गयी है। सोमवार से बृहस्पतिवार के दिनो में पूर्वान्ह् 8 से अपरान्ह् 2 बजे तक डा राकेश पाण्डेय व डा अजीत पाल, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक डा कार्तिकेय जायसवाल व डा निखिलेश मिश्रा की ड्यूटी लगायी गयी है। इसी प्रकार शुक्रवार से शनिवार के दिनो में पूर्वान्ह् 8 से अपरान्ह् 2 बजे तक डा डी के सिंह एवं डा ए के वर्मा, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक डा अखिलेश त्रिपाठी एवं डा रामसकल यादव इन कार्य दायित्वों के प्रभारी चिकित्साधिकारी होगें। रविवार के दिन पूर्वान्ह् 8 से अपरान्ह् 2 बजे तक डा प्रतीक केजरीवाल एवं डा निखिलेश मिश्रा तथा अपरान्ह् 2 बजे से अपरान्ह् 8 बजे तक डा जफर अनीस एवं डा अविनाश सिंह बतौर प्रभारी चिकित्साधिकारी नामित किए गए है। जिलाधिकारी ने बताया है कि प्रतिदिन के लिए इस कार्य के लिए फर्मासिस्ट व कर्मचारियों की भी ड्यूटी दो शिफ्टो में लगायी गयी है। सोमवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक अशोक राय एवं रामकुमार, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक शिव प्रसाद एवं सुशील कुमार सिन्हा, मंगलवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक शिव प्रसाद एवं सुशील कुमार सिन्हा, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक अशोक राय एवं रामकुमार, बुधवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक बलराम यादव एवं राजेश वर्मा, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक राजेश तिवारी एवं रामकुमार, बृहस्पतिवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक राजेश तिवारी एवं राजेश वर्मा, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक बलराम यादव एवं राजेश वर्मा, शुक्रवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक एम एम सिद्दकी एवं नेहा गुप्ता, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक लक्ष्मण लाल श्रीवास्तव एवं राजेश वर्मा, शनिवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक रामकिशोर त्रिपाठी एवं सुशील कुमार सिन्हा, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक विरेन्द्र भाष्कर एवं रामकुमार तथा रविवार को पूर्वान्ह् 8 बजे से अपरान्ह् 2 बजे तक उमेश मिश्रा एवं नेहा गुप्ता, अपरान्ह् 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक राधेश्याम राय एवं रामकुमार की ड्यूटी लगायी गयी है। इस प्रकार कोविड–19 महामारी के रोकथामध्सैम्पलिंग व अन्य आवश्यक कार्यो के सम्पादन के दृष्टिगत कुल 5 नोडल अधिकारी एवं कोविड हेल्प डेस्क, फीवर, संभावित कोविड परामर्श हेतु 12 प्रभारी चिकित्साधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है तथा सोमवार से रविवार तक प्रतिदिन दो शिफ्टो के लिये प्रति शिफ्ट दो–दो फर्मासिस्ट/कर्मचारी की ड्यूटी लगायी गयी है।

खेत की उर्वरा शक्ति के लिए कृषक ढैंचा की करें बुवाई

अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो

उप कृषि निदेशक डा ए के मिश्र ने कृषकों को अवगत कराया है कि हरी खाद के लिए अधिक से अधिक ढैंचा की बुवाई करें तथा आगामी फसलों के लिए भूमि को स्वस्थ्य बनाये। जनपद में कुल 299.60 कुन्तल बीज प्राप्त हो गया है, जिसे समस्त राजकीय कृषि भण्डारों पर भेज दिया जायेगा, जहां से कृषक 5500 रु0प्रति कुन्तल की दर से बीज क्रय कर सकते है। बीज पर अनुदान की धनराशि उनके बैंक डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी। साथ ही कृषक गेंहू की कटाई के पश्चात् धान इसकी रोपाई के पूर्व खेत प्रायः खाली रहते है। ऐसी दशा में खेत की नमी को बरकरार रखते हुए कृषक अपने खेत में हरी खाद हेतु ढैंचा फसल बुआई करें तथा 45 दिन पश्चात् इसे मिट्टी में पलट कर धान की रोपाई करें। इससे जहां एक ओर मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा में वृद्धि वहीं दूसरी ओर तमाम आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता भी होगी, जिससे मिट्टी की दशा में सुधार होगा एवं आगामी धान की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी।

मुश्किल दौर में भी रुपयों की ह्वस में अंधे हो चुके कुछ दुकानदार,इंसानियत को कर रहे दरकिनार..!

अमिट रेखा लार देवरिया। समाज में क्या गलत हो रहा है

किस बात से लोगो मे गुस्सा बढ रहा है किससे समाज के नैतिक मूल्यों का हनन हो रहा है किससे मानवता शर्मसार होती है उसके खिलाफ लिखना या उसका विरोध करना एक जिम्मेदार मनुष्य का कर्तव्य होता है। लेखक की लेखनी से समाज में सुधार और विकास हो यही लेखक का उद्देश्य होना चाहिए। वैसे एक अच्छा लेखक किसी जाति और धर्म से जुड़ा नहीं होता उसकी जाति उसका धर्म सिर्फ इंसानियत होती है समैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता हूँ लेकिन अपने अन्दर हो रही उथल पुथल से मैं व्यथित हूँ जिसे आप लोगों तक पहुंचाना चाहता हूँ।क्योंकि आज का जो स्वार्थी समाज अपने नैतिक मूल्यों को नजर अंदाज कर अपने बारे में सोच रहा हैं जबकि उसको पता हैं कि आज वह किसी के साथ कर रहा हैं कल उसके साथ भी ही सकता हैं।आज के मुश्किल दौर में भी रुपयों की हवस में अंधे हो चुके कुछ व्यवसाय व्यापारी से जुड़े दुकानदार अपनी नापाक हरकतों से बाज नही आ रहे हैं!इंसानियत को दरकिनार कर लॉक–डाउन लगने का बहाना बनाकर ओर लोगो मे लॉक डाउन का डर का पूरा फायदा उठा रहे है! मार्केट में पिछले साल जैसी कालाबाजारी चालू कर दी गई है इसपे लगाम लगाना मुश्किल हैं क्योंकि हर कोई अपने स्वार्थ में डुबा हुआ हैं कि मुझ को मिल जाये और चाहे उसके लिए ज्यादा पैसा चुकाना पढ़े। लोग अपनी जरूरत के सामानों की खरीदी कर रहे हैं। व्यापारी सामानों के दाम में भारी बढ़ोतरी कर बेच रहे हैं। शिकायत पर कलेक्टर ने अधिकारियों को कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए हुए हैं लेकिन आपाधापी में कोई भी इस की शिकायत करने नही चाहता सबको अपनी लगी हुई है। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा किए गए डेढ़ दिन के लॉकडाउन के बीच जमाखोरों और मुनाफाखोरों की चांदी हो गई है। ऐसे लोग मुनाफा कमाने के चक्कर में इंसानियत को भी तार–तार कर रहे हैं। एक ओर जहां परेशान लोगों की मदद के लिए समाजसेवी दान करने में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते है वहीं जमाखोर–मुनाफाखोर भी बाज नही आ रहे हैं। शासन और प्रशासन की चेतावनी के बावजूद जमाखोरी करने वाले बाज नहीं आ रहे है। एक ओर जहां गरीब और मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में किराना व्यापारियों द्वारा दैनिक जरूरतों के सामान में बढ़ाए गए भाव से सामान खरीदना मुश्किल हो गया है।

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत में कौन मारेगा बाजी?

चेन्नई। गत चौम्पियन मुंबई इंडियंस और पिछले सत्र की उप विजेता दिल्ली कैपिटल्स की टीमें जब मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में एक दूसरे के आमने सामने होंगी तो उनकी कोशिश एक दूसरे को पछाड़ने की होगी। मुंबई इंडियंस की मजबूत टीम को अगर लगातार तीसरी जीत हासिल करनी है तो उसे दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने मध्यक्रम की दिक्कतों को दूर करना होगा। दिल्ली की टीम वानखेडे स्टेडियम में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराने के बाद इस मैच में खेलेगी जबकि मुंबई ने छोटे लक्ष्यों का बचाव करते हुए लगातार जीत दर्ज की है। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ऐसा नहीं होने वाला है, उसे इस मुकाबले में हर विभाग में सर्वश्रेष्ठ करना होगा। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को अच्छी शुरूआत मिली है और वह इसे बड़ी पारी में तब्दील करने के लिये प्रतिबद्ध होंगे और ऐसा ही क्विंटन डि कॉक के साथ भी होगा। मुंबई के पास सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, कीरोन पोलार्ड, हार्दिक पंड्या और उनके भाई कृणाल जैसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी दिन किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने की काबिलियत रखते हैं लेकिन उन्हें अभी मिलकर शानदार प्रदर्शन करना बाकी है। पिछले मैच के बाद रोहित ने स्वीकार किया कि उनकी टीम 'मध्य ओवरों में थोड़ी बेहतर बल्लेबाजी कर सकती है।' तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुआई वाला मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण पिछले दो मैचों में शानदार रहा है जब उन्होंने क्रमशरू 150 और 152 रन के कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया। मुख्य गेंदबाज बुमराह (तीन विकेट) और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (छह विकेट) डेथ ओवरों में असाधारण रहे हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर ने पिछले दो मैचों में सात विकेट चटकाये जिन्हें गेंदबाजी कोच शेन बांड 'विकेट झटकने वाला गेंदबाज' कहते हैं।

कुलदीप यादव को आईपीएल में दमदार प्रदर्शन का भरोसा

कुलदीप यादव को आईपीएल में दमदार प्रदर्शन का भरोसा है।कुलदीप ने कहा कि टीम से अनुभवी स्पिनर हरभजन सिंह के जुड़ने से उन्हें निजी तौर पर काफी फायदा हुआ और वह मानसिक रूप से मजबूत हुए है।

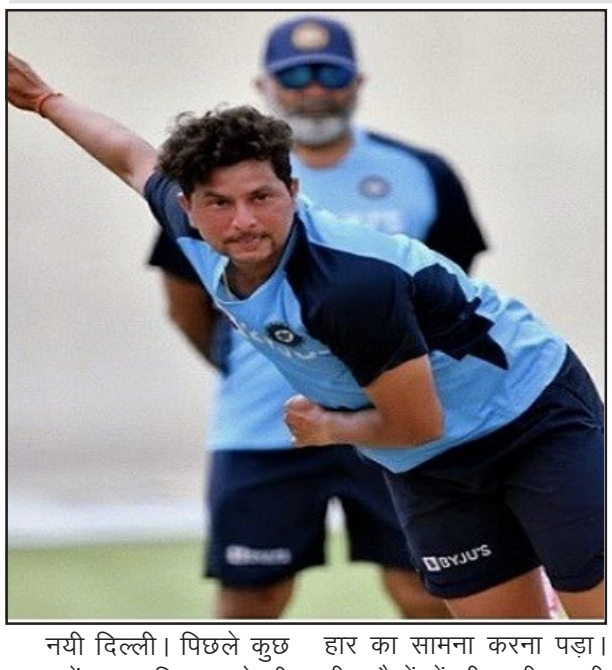

नयी दिल्ली। पिछले कुछ समय में लय हासिल करने की कोशिश कर रहे बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह जल्द ही अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए मैदान में उतर कर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। केकेआर को रविवार को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 38 रन से हार का सामना करना पड़ा। तीन मैचों में टीम की दूसरी हार के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतिम 11 में बदलाव करने के संकेत दिये। आईपीएल में 45 मैचों में 40 विकेट लेने वाले कलाई के इस वामहस्त स्पिनर ने कहा, ''अभी सिर्फ तीन मैच हुए है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही टीम (अंतिम–11) में मौका मिलेगा और मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा।'' कुलदीप ने कहा कि टीम से अनुभवी स्पिनर हरभजन सिंह के जुड़ने से उन्हें निजी तौर पर काफी फायदा हुआ और वह मानसिक रूप से मजबूत हुए है। कलाई के इस स्पिनर ने कहा, '' भज्जू पा (हरभजन) के टीम से जुड़ने के बाद मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं उनसे कई चीजें पूछता हूं। आपके साथ किसी अनुभवी खिलाड़ी के होने से फायदा होता है। वह मुझे कौशल सुधारने के साथ–साथ मानसिक तौर पर कैसे मजबूत होने के बारे में बताते है।'' भारत के लिए सात टेस्ट, 63 एकदिवसीय और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले कुलदीप ने कहा कि केकेआर पूरी तरह से संपूर्ण है और जल्द ही टूर्नामेंट में वापसी करेगी। फ्रेंचाइजी ने हरभजन के साथ हरफनमौला शाकिब अल हसन को टीम में शामिल कर इसे और मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा, ''अगर आप हमारी टीम को देखेंगे तो फेंचाइजी ने सभी जरूरतों को पूरी करने की कोशिश की है।

तूफानी अंदाज में हुई मयंक अग्रवाल की वापसी, फिफ्टी लगाने के बाद दिया यह बयान

मुंबई। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने शानदार अर्धशतकीय पारी से फार्म में वापसी की और उन्होंने कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दो मैचों में अच्छा नहीं खेल पाने की वजह से ज्यादा चिंतित नहीं थे और उन्होंने पिछले सत्र में कारगर रहने वाली चीजों पर ही अडिग रहने की कोशिश की। मयंक ने संयुक्त अरब अमीरात में हुए पिछले सत्र में 424 रन बनाये थे, उन्होंने मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ क्रमशरू 14 और शून्य रन बनाये। हालांकि बेंगलुरू के इस 30 साल के खिलाड़ी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को 36 गेंद में 69 रन की पारी खेलकर पंजाब किंग्स को चार विकेट पर 195 रन बनाने में मदद की। उन्होंने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''मैं ज्यादा कुछ नहीं सोच रहा था, मैंने वही करने की योजना बनायी जो मैंने पिछले साल किया था और जो मेरे लिये कारगर रहा था। मैंने पिछले मैच के बारे में सोचा तो मैं अच्छी गेंद पर आउट हुआ, मैं इसके बारे में खुद को ज्यादा तनाव में नहीं डालना चाहता था और मैं आगे अच्छा करना चाहता था इसलिये उसी पर अडिग रहा जो मेरे लिये कारगर रहा था।'' मयंक ने कहा, ''मैं नेट में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था, मैं अच्छे शॉट लगा रहा था, मैं पिछले मैचों के बारे में नहीं सोचना चाहता था और मैंने जैसी बल्लेबाजी की उससे खुश हूं।'' हालांकि यह स्कोर काफी साबित नहीं हुआ क्योंकि पिछले साल की उप विजेता दिल्ली कैपिटल्स ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की 49 गेंद में 92 रन की पारी से 18.2 ओवर में जीत हासिल कर ली। उन्होंने कहा, ''मुझे लगा यह अच्छा स्कोर था। पहली पारी में यह इतना आसान नहीं था और मुझे लगा कि दूसरी पारी में ओस अहम भूमिका निभायेगी। लेकिन मुझे लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार बल्लेबाजी की और ओस का भी असर हुआ। लेकिन श्रेय दिल्ली के गेंदबाजों को जाता है जिन्होंने 12 ओवर के बाद योजना का अनुसरण किया और डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की।

एनबीएफसी की एमएसएमई के कर्ज की पुनर्गठन योजना को मार्च, 2022 तक बढ़ाने की मांग

मुंबई। गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने भारतीय रिजर्व बैक से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) के ऋण की एकबारगी पुनर्गठन योजना को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। एनबीएफसी का कहना है कि एमएसएमई क्षेत्र अभी तक अपने कारोबार को उबार नहीं सका है। पिछले साल फरवरी में रिजर्व बैंकने एमएसएमई के मौजूदा अग्रिम के एकबारगी पुनर्गठन की मंजूरी दी थी। उन्हीं एमएसएमई के ऋण का पुनर्गठन किया जाना था, जिनका ऋण 'मानक' है। इस योजना के क्रियान्वयन की समयसीमा 31 दिसंबर, 2020 तक थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास को हाल में लिखे पत्र में एनबीएफसी के संगठन वित्त उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) ने कहा है कि कोविड की दूसरी लहर की वजह से एमएसएमई क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां रफ्तार नहीं पकड़ पाई हैं, ऐसे में उन्हें ऋणदाताओं के समर्थन की जरूरत है।एफआईडीसी ने लिखा है कि एमएसएमई और ऋणदाताओं के समक्ष चुनौतियों के मद्देनजर यदि रिजर्व बैंक पुनर्गठन योजना को कम से कम 31 मार्च, 2022 तक बढ़ाता है, तो इससे सबको राहत मिलेगी। एनबीएफसी खुदरा और थोक कारोबारियों सहित मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र की ऋण की जरूरतों को पूरा करते हैं। उन्होंने योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, ''इस समय, हमारा लक्ष्य अगले 12 महीने की समयसीमा में एक बड़ा एकीकृत कारखाना लगाने का है। उस कारखाने में हम रोजाना 1,000 बैटरी का विनिर्माण कर सकते हैं। साथ ही 1,000 टन पुराने कच्चे माल का प्रसंस्करण कर सकते हैं। हमारी गीगावाट– घंटा स्तर के विनिर्माण के साथ 1,000 टन क्षमता के पुनर्चक्रण केंद्र स्थापित करने की योजना है।''कंपनी की मौजूदा क्षमता करीब 300 मेगावाट–घंटा सालाना है और इकाइयों के हिसाब से यह करीब 200 से 250 इकाई दैनिक है।नई परियोजना में निवेश के बारे में पूछे जाने पर, वर्मा ने कहा, ''जल्दी ही हम करीब 50 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

ताइवान पर हमला कर सकता है चीन, ऑस्ट्रेलिया ने शुरू की भीषण युद्ध की तैयारी

पेइचिंग। ऑस्ट्रेलिया की सेना ने अगले 5 साल में चीन के ताइवान पर हमला करने के खतरे को देखते हुए ड्रैगन के साथ जंग की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की सेना चीन के साथ जंग के लिए रणनीति बना रही है। सेना के अधिकारी उस स्थिति के लिए खुद को तैयार कर रहे है जिसके तहत युद्ध होने की स्थिति में कोलिन्स श्रेणी के सबमरीन और सुपर हार्नेट फाइटर जेट को अमेरिकी सेना और अन्य साथी देशों की मदद के लिए ताइवान स्ट्रेट में भेजा जा सके। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार बढ़ते तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्वॉड देशों–जापान, भारत और अमेरिका के ऊपर दबाव बढ़ रहा है कि वे चीनी ड्रैगन की सेना पर लगाम कसें। हाल के दिनों में चीनी सेना पूरे इलाके में बहुत आक्रामक हो गई है। उसने हॉन्ग कॉन्ग में लोकतंत्र समर्थकों और उइगरों को कुचल दिया है। अब यह डर सता रहा है कि चीन ताइवान पर अपनी सैन्य ताकत का प्रयोग कर सकता है ताकि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासन काल में ताइवान का चीन के साथ एकीकरण किया जा सके। चीन ने इस सप्ताह ही अपने 25 फाइटर विमानों के बेड़े को ताइवान के इलाके में भेजा था। ऑस्ट्रेलिया के कूटनीतिक सूत्रों ने कहा, कई घटनाक्रम हो रहे हैं और स्थितियों के लिए योजना बन रही है। उन्होंने इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि हम प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं है। ताइवान और अमेरिका के बीच गहराते रक्षा संबंधों से चिढ़े चीन ने साउथ चाइना सी में अपने सैन्य अभियानों की तादाद को बढ़ा दिया है। लगभग हर दिन चीन के लड़ाकू विमान जानबूझकर ताइवानी वायुसीमा में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब ड्रैगन का मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने बताया है कि आखिर चीनी लड़ाकू विमान ताइवानी एयरस्पेस में बार–बार घुसपैठ क्यों करते हैं। ग्लोबल टाइम्स के चीफ एडिटर हू शीजिन ने बताया कि चीन का सैन्य अभियान दरअसल अमेरिकी विदेश विभाग और ताइवान के बीच संबंधों की गाइडलाइन का उल्लंघन के जवाब में किया जा रहा है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ताइवान और अमेरिका के बीच गहराते संबंधों को देखते हुए इलाके में सैन्य दबाव को और बढ़ाएगी। अगर ताइवान हमारे जहाजों पर फायरिंग करता है तो इसे पूर्ण युद्ध माना जाएगा और पूरा का पूरा ताइवाान स्ट्रेट हमारा होगा। थुसीडाइड्स ट्रैप दरअसल एक ग्रीक दार्शनिक थुसीडाइड्स का विचार है। इसमें कहा गया है कि बढ़ती हुई शक्तियां हमेशा घटती हुई शक्तियों को हमेशा संघर्ष के साथ खत्म करती हैं। इसमें अमेरिका को घटती हुई ताकत और चीन को बढ़ती हुई शक्ति के रूप में दिखाया गया है। चीन ने इंडो पैसिफिक में अपनी बढ़ती महत्वकांक्षा के कारण भारत ही नहीं, बल्कि जापान, ताइवान, फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ सीमा विवाद को भड़काया है। यही कारण है कि साउथ चाइना सी से लेकर हिंद महासागर तक चीन अपनी ताकत को तेजी से बढ़ा रहा है। इसमें समुद्र में नए कृत्रिम द्वीप बनाकर उसे मिलिट्री बेस बनाना या गरीब देशों को कर्ज के जाल में फंसाकर उनके यहां सैन्य अड्डा स्थापित करना शामिल हैं। यही कारण है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी महत्वकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को काफी महत्व दे रहे हैं। चीन के चक्कर में एशिया में न केवल श्रीलंका बल्कि लाओस और मालदीव कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। श्रीलंका में तो चीन ने हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले लिया है। कंबोडिया में भी चीन ने मिलिट्री बेस बनाकर भारत को अंडमान सागर में घेरने की चाल चली है।

संक्षिप्त

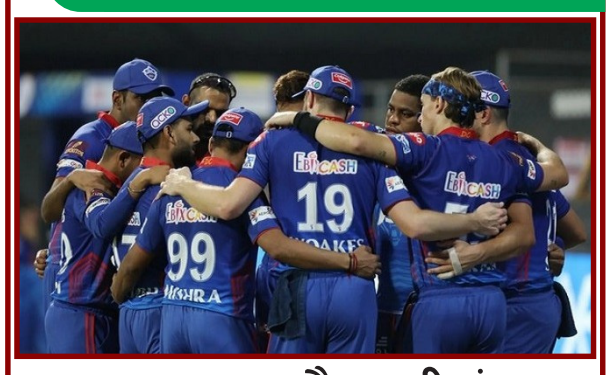

लगातार दूसरा मैच हारी पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल ने हराया

आईपीएल 2021 टी 20 मैच में पंजाब किंग्स लगातार दूसरा मैच हार गयी है। दिल्ली कैपिटल (डीसी) ने पंजाब को हरा दिया। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करके दिल्ली को 195 का लक्ष्य दिया। शुरूआत में दिल्ली की शानदार बैटिंग रही लेकिन लगातार दो विकेट गिरने के बाद मैच पंजाब के पाले में जाते दिखा लेकिन शिखर धवन क्रिज पर टिके थे और दिल्ली की एक बार फिर से मैच में वापसी करवा दी। दिल्ली कैपिटल (डीसी) बनाम पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) लाइव क्रिकेट स्कोर आईपीएल 2021 टी 20 पृथ्वी शॉ और शिखर धवन ने पावरप्ले में अटैकिंग रूट लेते हुए दिल्ली को मजबूत शुरुआत दी है। शिखर धवन ने मोहम्मद शमी के दूसरे ओवर से 14 रन बटोरे। इस बीच, दिल्ली कैपिटल ने 5 वें ओवर में 50 रन का आंकड़ा पार किया। शमी के ओवर में 3 चौके धवन के आत्मविश्वास को बढ़ाया। अर्शदीप सिंह ने पृथ्वी शॉ को आउट किया, अर्शदीप सिंह ने पंजाब किंग्स के लिए ये बड़ा विकेट लिया और अपने दूसरे ओवर में शॉ को आउट किया। 6 वें ओवर में 59 रनों का ओपनिंग स्टैंड टूट गया। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चार विकेट पर 195 रन बनाए। पंजाब किंग्स की ओर से मयंक अग्रवाल ने 69 जबकि कप्तान लोकेश राहुल ने 61 रन की पारी खेली।

लिथियम-ऑयन बैटरी बनाने वाली लोहुम क्षमता विस्तार पर अगले तीन साल में 250 करोड़ रुपये निवेश करेगी

नयी दिल्ली। लिथिम ऑयन बैटरी बनाने वाली और पुनर्चक्रण कार्यों से जुड़ी लोहुम की अपनी क्षमता बढ़ाने के लिये अगले तीन साल में 250 करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना है। कंपनी की चौपहिया इक्ट्रिक वाहनों के लिये बैटरी विनिर्माण क्षेत्र में जाने की योजना है। लोहुम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी की फिलहाल 300 मेगावाट घंटा सालाना बैटरी विनिर्माण की क्षमता है। जिसे बढ़ाकर गीगावाट (1,000 मेगावाट बराबर एक गीगावाट) घंटा के स्तर पर ले जाने की योजना है। इसके लिये उसने ग्रेटर नोएडा में बैटरी बनाने का नया कारखाना लगाने की योजना बनायी है। लोहुम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रजत वर्मा ने कहा, ''हमने 2022 के लिये जिस क्षमता का अनुमान जताया था, हमने अब महसूस किया है कि वह मांग के मुकाबले काफी कम होगा। हमें तुरंत और क्षमता स्थापित करनी हैं और हम अब विनिर्माण तथा पुनर्चक्रण दोनों मामलों में अपनी क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं।

इरडा ने चार बीमा कंपनियों पर 51 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एसबीआई जनरल इंश्योरेंस सहित चार बीमा कंपनियों पर मोटर बीमा से संबंधित कुछ नियमों के उल्लंघन के लिए 51 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस पर मोटर तीसरा पक्ष (एमटीपी) कारोबार के लिए नियामकीय प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करने के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस लि. पर 13 लाख रुपये, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर 10 लाख रुपये और रॉयल सुंदरम जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के बारे में अपने आदेश में इरडा ने कहा है कि बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2017–18 के लिए एमटीपी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया। वहीं लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर मोटर बीमा सेवा प्रदाता (एमआईएसपी) दिशानिर्देशों के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए 13 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस पर बीमा कानून, 1938 के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं रॉयल सुंदरम जनरल इंश्योरेंस के मामले में इरडा ने एमआईएसपी दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

मंडाविया ने कहा, सरकार 15 दिनों में रेमडेसिविर का उत्पादन दोगुना करेगी

नयी दिल्ली। सरकार की कोराना संक्रमण के इलाज में उपयोग होने वाले रेमडेसिविर इजेक्शेन का उत्पादन अगले 15 दिनों में दोगुना कर 3 लाख शीशी प्रतिदिन करने की योजना है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने ट्विटर पर लिखा है कि रेमडेसिविर का उत्पादन बढ़ाने को लेकर प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। उन्होंने लिखा है, ''हम रेमडेसिविर इंजेक्शन का उत्पादन बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही इसकी कीमत में कमी लाने की भी हमारी कोशिश है। फिलहाल हम इंजेक्शन की 1.5 लाख शीशी का उत्पान कर रहे हैं। अगले 15 दिनों में उत्पादन 3 लाख शीशी प्रतिदिन हो जाएगा।'' मंत्री ने कहा कि सरकार ने 'एटीवायरल' दवा के उत्पादन के लिये 20 संयंत्रों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि रेमडेसिविर का उत्पादन फिलहाल देश के 20 संयंत्रों में किया जा रहा है। मंडाविया ने कहा, ''अगले कुछ दिनों में, हम रेमडेसिविर का अधिकतम उत्पादन का प्रयास कर रहे हैं। दवा कंपनियों ने इस दवा के खुदरा मूल्य में भी कमी की है और इससे मरीजों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने शनिवार को कहा था कि कैडिला हेल्थकेयर, डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज और सिप्ला ने अपने–अपने ब्रांड के रेमडेसिविर इंजेक्शन (100 एमजीध्शीशी) के दाम कम किये हैं।

सम्पादकीय.....

महंगाई की धार

ऐसे वक्त में जब देश में जारी कोरोना संकट से अस्त–व्यस्त जिंदगी में आम लोगों की आमदनी में गिरावट आई है और क्रय शक्ति घटी है, लगातार बढ़ती महंगाई कष्टदायक है। यह महंगाई केवल पेट्रोल–डीजल व ईंधन के दामों में ही नहीं, खाद्य पदार्थों व फल–सब्जियों में भी नजर आ रही है। वैसे तो लोग पहले ही महंगाई की तपिश महसूस कर रहे थे, लेकिन अब हाल में आये थोक महंगाई के आंकड़ों ने उस तपिश पर मोहर लगा दी है। चिंता की बात यह है कि देश में थोक महंगाई दर बीते आठ सालों के मुकाबले उच्चतम स्तर पर जा पहुंची है। बताते हैं कि इससे पहले वर्ष 2012 में थोक कीमतों पर केंद्रित मुद्रास्फीति 7.4 फीसदी के उच्चतम स्तर पर थी। इस वृद्धि के मूल में कच्चे तेल व अन्य धातुओं की कीमतों में हुए इजाफे को कारक माना जा रहा है। लेकिन चिंता की बात यह है कि जो महंगाई की दर फरवरी माह में महज 4.17 फीसदी थी, वह महज एक माह में लगभग दुगनी 7.39 कैसे पहुंच गई। ऐसे में सरकार को मुश्किल वक्त में महंगाई की इस छलांग के कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। निस्संदेह जब देश का निम्न और मध्य वर्ग रोजी–रोटी के सवाल से जूझ रहा है, अर्थव्यवस्था संवेदनशील स्थिति में है, आसमान छूती महंगाई चुभने वाली है। ऐसे में सरकारी नीतियों में संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। जाहिरा तौर पर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आया उछाल भी थोक की मुद्रास्फीति बढ़ाने में एक कारण रहा है, जिसके चलते देश में पेट्रोल व डीजल के दामों में खासी तेजी आई। तभी फरवरी में 0.58 फीसदी रहने वाली ईंधन की मुद्रास्फीति मार्च में करीब साढ़े दस फीसदी तक जा पहुंची। वैसे सरकार की तरफ से भी कोई गंभीर प्रयास महंगाई पर काबू पाने के लिये नहीं किये गये। यहां तक कि केंद्रीय बैंक की नीतियां भी महंगाई को उर्वरा भूमि देती रही। दरअसल, कोरोना संकट के मुकाबले के लिये बीते साल देश में जो सख्त लॉकडाउन लगा, उसका देशव्यापी प्रभाव नजर आया। अर्थव्यवस्था ने तेजी से गोता लगाया। ऐसे में दिसंबर के बाद के दो महीनों में अर्थव्यवस्था जब पटरी पर लौटती नजर आई तो सरकार की प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को गति देने की थी, न कि महंगाई रोकने की। लॉकडाउन के दौरान जो कीमतें ठहरी हुई थीं, उसमें अब उछाल नजर आया। उपभोक्ताओं से मनमानी कीमतें वसूली जाने लगीं। एक दृष्टिकोण यह भी रहा कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये कुछ महंगाई स्वीकार्य है, जिससे उत्पादकों के कारोबार को गति मिल सके। तभी पिछले कुछ महीनों में स्थिति सामान्य होते ही बिक्री में गति के साथ ही कीमतों में तेजी देखने में आई। खाद्य वस्तुओं में ही नहीं, फल व सब्जियों के दामों में भी। आमतौर पर देश में मौसम के चरम यानी गर्मी की तेजी के साथ ही कीमतों में उछाल देखा जाता है जो अब की बार मार्च में ही नजर आने लगा। एक बार फिर कोरोना संकट घातक दौर में पहुंच गया और रोज कमाकर खाने वाले तबके का रोजगार फिर संकट में है। ऐसे में सरकार को महंगाई नियंत्रण की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। कमर तो मध्य वर्ग की भी टूटी है। जो अपनी कुल जमा पूंजी की बचत पर जिंदगी चला रहा था, उसका जीवनयापन भी महंगाई के कारण अब सहज नहीं रहा। देश के महानगरों से कामगार वर्ग का पलायन शुरू हो गया है।

आज का राशिफल

मेष :– निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन परेशान होगा। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

बृषभ :– काफी सारे अवरोधित कायरें के हल होने के आसार बनेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन :– जीविका क्षेत्र में कार्यकुशलता का जौहर बिखेरेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा। महत्वहपूर्ण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन चिंतित होगा। परिजनों से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। आवेश में किये गये कार्य से हानि संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाई का अभास होगा। किसी नये कार्य की सार्थकता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कुछ कठिनाइयों सेस मन नकारात्मकता से पभावित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी में समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

तुला :– कार्यकुशलता व बौद्धिक क्षमता से जीविका क्षेत्र सफलता अर्जित करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ब्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। किसी नये रिश्ते में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी।

धनु :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से निकट संबंधों में अच्छी छबि बनेगी। नैतिक जिम्मेदारियों में आपकी सजगता काबिले तारीफ होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक हैं। किसी नये कार्य के प्रति मन केंद्रित होगा। निकट संबंधों में किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी।

कुंभ :– कुछ नई जिम्मेदारियां मन पर दबाव बनाएंगी। अच्छी व्यवहार कुशलता से समाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन :– जीवन की कठिनाइयों के कारण मन में हीन भावना न आने दें। अपनी क्षमताओ पर भरोसा रखें। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मक को न पालें।

मान लें श्रीमान जागरूकता ही बचाएगी

अरुण पटेल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा लगातार पूरी शिद्दत और समर्पण से इस पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन इसके बाद भी दोनों राज्यों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। सरकारें भले ही कितना प्रयास क्यों ना करें लेकिन यह भी एक हकीकत है जिसे स्वीकारना चाहिए कि जिस तेजी से नए मरीज मिल रहे हैं उसके अनुरूप तत्काल व्यवस्थाएं करना आसान नहीं है, फिर भी दोनों राज्य सरकार और उसके मुखिया पूरी मुस्तैदी से हालात नियंत्रित करने के लिए दिन रात एक कर रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि केवल सरकारों के भरोसे हम ना रहें बल्कि बेकाबू होते हालातों में हमें स्वयं ही अपनी चिंता करनी होगी तथा पर्याप्त एहतियात बरतना होगा।

देश के जिन 5 राज्यों में पिछले साल की इस अवधि में जिसमें कोरोना संक्रमण अपने पीक पर था उसकी तुलना में इस बार ज्यादा मरीज संक्रमित हुए हैं उनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र शामिल हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा लगातार पूरी शिद्दत और समर्पण से इस पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन इसके बाद भी दोनों राज्यों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। सरकारें भले ही कितना प्रयास क्यों ना करें लेकिन यह भी एक हकीकत है जिसे स्वीकारना चाहिए कि जिस तेजी से नए मरीज मिल रहे हैं उसके अनुरूप तत्काल व्यवस्थाएं करना आसान नहीं है, फिर भी दोनों राज्य सरकार और उसके मुखिया पूरी मुस्तैदी से हालात नियंत्रित करने के लिए दिन रात एक कर रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि केवल सरकारों के भरोसे हम ना रहें बल्कि बेकाबू होते हालातों में हमें स्वयं ही अपनी चिंता करनी होगी तथा पर्याप्त एहतियात बरतना होगा। पहली लहर की तुलना में इस दूसरी कोरोना संक्रमण की लहर में 3 गुना तेज गति से संक्रमण फैल रहा है। इस बात के पक्के सबूत सामने आ रहे हैं कि इसके लिए जिम्मेदार वायरस हवा के जरिए फैल रहा है, यह दावा मेडिकल जनरल लैंसेट में प्रकाशित एक शोध में किया गया है। इस कारण जितने भी उपाय इसे रोकने के लिए किए जा रहे हैं, वायरस को रोकने में सफल नहीं हो रहे हैं क्योंकि हवा में वायरस होने के कारण लोग असुरक्षित हैं और संक्रमण को अपने पैर पसारने का मौका मिल रहा है। ब्रिटेन, अमेरिका और कनाडा के 6 विशेषज्ञों ने पड़ताल करते हुए सबूत जुटाए हैं। पड़ताल करने वालों में कोऑपरेटिव इंस्टिट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायरमेंट के केमिस्ट जोस–लुइस जिमेनेज भी शामिल हैं। इस पृष्ठभूमि में घरों में रहना ही सबसे ज्यादा सुरक्षित है और जब तक बहुत जरूरी ना हो घर से बाहर ना निकलें। घर से बाहर कदम रखने से पहले मास्क लगा लें और 2 गज की दूरी जरूर रखें। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सांसद दिग्विजय सिंह सहित 109 नेता जो दमोह उपचुनाव में प्रचार करने गए थे संक्रमित हुए और उनमें कांग्रेस उम्मीदवार अजय टंडन भी शामिल हैं। मध्य

प्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्थिति की गंभीरता का अंदाज इस बात से लग जाता है कि मध्यप्रदेश में शुक्रवार को 11045 नए पॉजिटिव मरीज मिले जिनमें राजधानी भोपाल के 1669 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज शामिल हैं। इसी दिन भोपाल में 118 कोविड अंतिम संस्कार हुए। मध्यप्रदेश में पिछले पखवाड़े कोरोना संक्रमण के 75 हजार से अधिक मरीज मिले और 37 हजार से अधिक मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। स्वस्थ होने वाले मरीजों का आंकड़ा आने वाले लगभग 15 दिनों में और बढ़ेगा क्योंकि जिनकी पॉजिटिव रिपोर्ट आई है वह भी इस अवधि में स्वस्थ होंगे। एक पखवाड़े में जितने मरीज बढ़े हैं उतने मरीज साल भर में किसी एक माह में नहीं बढ़े हैं। इससे पहले पिछले साल सितंबर माह में 64 हजार से कुछ अधिक संक्रमित मरीज बढ़े थे। इस सबके बीच थोड़ी राहत बड़ी बात है कि खंडवा, बुरहानपुर, देवास और छिंदवाड़ा में संक्रमण की दर घटने लगी है। जिलेवार समीक्षा के अनुसार सबसे ज्यादा भोपाल में 1681 और उसके बाद इंदौर में 1679, जबलपुर में 724 और ग्वालियर में 692 नए संक्रमित पाए गए। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को 14912 नए कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पहचान हुई वहीं दूसरी ओर 11807 स्वस्थ हुए हैं। इसी दिन छत्तीसगढ़ में कोविड–19 से 88 मरीजों की मृत्यु हुई। मध्यप्रदेश में कोरोना का दूसरा पीक खतरे के निशान को पार कर चुका है। यद्यपि सरकारी तौर पर कोरोना के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा उजागर नहीं किया जा रहा है, लेकिन श्मशान घाट और कब्रिस्तान की तस्वीरें बता रही हैं कि हर दिन लगभग 100 के आसपास लोग मर रहे हैं। 21 मार्च को मध्यप्रदेश में कुल आठ हजार एक्टिव केस थे। इंदौर में सबसे ज्यादा संक्रमण है। पिछले साल भी इंदौर में ही संक्रमण तेजी से फैला था। अनुमान यह है कि मध्यप्रदेश में कोरोना का नया स्ट्रेन फरवरी माह के अंत में इंदौर में ही मिला था। मामला कथित तौर पर सामने आने के बाद भी जिला प्रशासन ने ट्रेकिंग नहीं की जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल को ही मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में साफतौर पर कहा था कि राज्यों को थ्री टी फार्मूला गंभीरता से अपनाना चाहिए। इसके तहत उन लोगों में कोरोना टेस्टिंग की जाना थी, जिन्हें सामान्य सर्दी, बुखार है। कोरोना पॉजिटिव होने पर ट्रेकिंग और ट्रीटमेंट पर जोर देने की सलाह प्रधानमंत्री ने दी थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जोर इस बात पर ज्यादा था कि अधिकांश लोग मास्क का उपयोग करें। इसके लिए उन्होंने अभियान भी चलाया। जबकि इस दौरान अकेले भोपाल में ही संक्रमण एक सप्ताह में 45 प्रतिशत से भी ज्यादा तेजी से बढ़ा। 'अफसरों की कार्यशैली में अनुभव की सीख नहीं दिखी' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफतौर पर कहा था कि दूसरी लहर प्रशासनिक चूक का नतीजा है। इस चूक के कारण गुरुवार को भी भोपाल में 112 शवों काअंतिम संस्कार हुआ। भोपाल गैस कांड के बाद ऐसी स्थिति पहली बार देखी गई। मध्यप्रदेश में संक्रमण से बचाव में प्रशासनिक चूक को कई स्तर पर महसूस किया गया। पिछले साल के पीक में भी इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में ऑक्सीजन की कमी सामने आई थी। कोरोना संक्रमण से निपटने की जिम्मेदारी राज्य में उन्हीं अफसरों के पास है, जिन्होंने पिछले साल आईं समस्याओं का सामना किया था। ऑक्सीजन ब्लैक में बेचे जाने के मामले भी सामने आए थे। इसके बावजूद भी सरकार ने ऑक्सीजन के स्टॉक को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए। पिछले वर्ष मार्च में जब कोरोना का संक्रमण प्रारंभ हुआ उस समय के स्वास्थ्य मंत्री तुलसीराम सिलावट दलबदल करने वाले अन्य तत्कालीन कांग्रेसी विधायकों के साथ बेंगलुरु कर्नाटक में होटल में बैठे थे और अप्रैल माह में इस साल जब कोरोना तेजी से फैल रहा है उस दौरान भी वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी दमोह चुनाव प्रचार में व्यस्त थे और पूरा मोर्चा शिवराज ही संभाल रहे थे। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने प्रभुराम चौधरी की अनुपस्थिति का मामला उठाते हुए उनके त्यागपत्र की मांग कर डाली थी और इस मांग के बाद चौधरी ने अपनी कुछ सक्रियता दिखाना चालू किया लेकिन उस समय तक काफी देर हो चुकी थी। भारत सरकार के सार्थक पोर्टल पर सभी राज्य सरकारों को ऑक्सीजन की उपलब्धता की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज कराना होती है। राज्य में ऑक्सीजन का संकट खड़ा हो गया है, इसकी खबर सरकार को कुछ संक्रमितों की मौत हो जाने के बाद हुई। जब संकट बढ़ा तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को रेल मंत्री पीयूष गोयल और पेट्रोलियम एवं इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से गुहार लगाना पड़ी। श्री प्रधान ने छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की। घंटों तक तो सरकार यह तय नहीं कर पाई कि छत्तीसगढ़ से ऑक्सीजन भोपाल और राज्य के अन्य जिलों में कैसे पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री गोयल से आग्रह किया कि संभव हो तो ऑक्सीजन से भरा ट्रक मालगाड़ी के जरिए मध्यप्रदेश पहुंचाया जाए। इससे समय की बचत होगी। 'और यह भी' कोरोना के बढ़ते संक्रमण और टीकाकरण को लेकर भूपेश बघेल सरकार पर मुख्य विपक्षी दल भाजपा द्वारा जो हमला किया जा रहा है उसका तल्खी से उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि जांच टीकाकरण के मामले में कौन सा भाजपा शासित राज्य छत्तीसगढ़ सरकार से बेहतर काम कर रहा है और इसके साथ ही यह दावा भी किया कि मामले में उनकी सरकार का सबसे अच्छा काम है। वहीं दूसरी ओर शिवराज सिंह चौहान सरकार की घेराबंदी करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने एक ट्वीट में कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के आँकड़े निरंतर बढ़ते जा रहे है, संक्रमण दर बढ़ती जा रही है, निरंतर एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। आज की स्थिति में ही अस्पतालों में बेड नहीं है, ऑक्सिजन नहीं है, इंजेक्शन नहीं है ? उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे एक्टिव मरीजों की संख्या को देखते हुए शिवराज सरकार बेडों की संख्या बढ़ाने, ऑक्सिजन की आपूर्ति बढ़ाने, इंजेक्शन की कमी दूर करने व आवश्यक दवाई व उपकरणो की उपलब्धता सुनिश्चित करने के युद्ध स्तर पर गंभीर प्रयास करे तथा त्वरित निर्णय लेकर हर आवश्यक कदम उठाये, अन्यथा आगामी दिनो में स्थितियाँ और भयावह हो सकती है ?

सावधानी और स्वस्थ जीवनशैली बचाएगी

आर. कुमार

हर वायरस की आदत है वह अपने रूप बदलता रहता है और कोविड–19 भी कोई अपवाद नहीं है। सार्स–कोव–2 नामक इस वायरस ने खुद में तेजी से जैविक बदलाव करके विविध रूपांतर बना डाले हैं। अब तक विश्वभर में इसकी लगभग 200 किस्में खोजी जा चुकी हैं। भारत में दोहरे रूपांतर (डबल म्यूटेशन) वाली किस्म सामने आई है, जिसमें संक्रमित करने की जबरदस्त शक्ति है। यह बहरूपिया अब बहुत ज्यादा जानें लील रहा है। यह रूपांतर इसलिए ज्यादा खतरनाक है क्योंकि यह शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को चकमा देकर घुसपैठ कर रहा है। अब यह बच्चों और युवाओं को भी शिकार बना रहा है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि नयी किस्म ज्यादा ऊर्जावान, अधिक संक्रमणशील और तेज रूपांतर वाली है, वायरस अब सीधे फेफड़ों पर हमला करता है, जबकि टेस्ट नेगेटिव आता है! इसे सर्वप्रथम महाराष्ट्र में पाया गया था, जहां इसने कोहराम मचा रखा है। जितने केस पॉजिटिव आ रहे हैं, उनमें अधिकतर में जीनोम सिक्वेंसिंग ने ई–484–क्यू और एल–452–आर म्यूटेशन में हुई वृद्धि की पुष्टि की है। यह रूपांतर में रोगप्रतिरोधात्मक प्रणाली को चकमा देने की क्षमता विकसित हो जाने की तस्दीक है। हालिया रिपोर्टों में सबूत मिला है कि नयी किस्में कुत्ते और बिल्लियों तक को संक्रमित कर सकती हैं, जिनसे आगे इनसान और अन्य पालतू जानवरों में संक्रमण तेजी से फैल सकता है। यहां तक कि यह हवा में भी व्याप्त रह सकते हैं! वायरस के नये–नये रूपांतरों के लिए वैक्सीन बनाना अब और भी चुनौतीपूर्ण हो चला है। भविष्य की किस्में, जो बच्चों को भी गंभीर रूप से बीमार कर सकती हैं, उनके पैदा होने का खतरा हो चला है। इसलिए हमें साल–दर–साल हरेक नये रूपांतर के लिए एक नयी वैक्सीन की जरूरत होगी, क्योंकि शरीर में एंटीबॉडीज ज्यादा समय तक नहीं टिक पाती हैं। लेकिन क्या हम ऐसी क्षमता हासिल कर पाएंगे? वैक्सीन की कमी बनने की सूचनाएं पहले ही आने लगी हैं। एक टीका किसी व्यक्ति को भविष्य में संक्रमित न होने देने की गांरटी नहीं है। यह तो एक ऐसा स्वास्थ्य श्औजारय है जो बीमारी लगने पर जान जाने की नौबत बनने से बचा सकता है, इससे वक्त रहते बहुत–सी मौतों को टाला जा सकता है। यूके और अन्य कई देशों से प्राप्त सूचनाएं तस्दीक करती हैं कि वैक्सीन उपरांत संक्रमण और मृत्युदर में कमी आई है। ज्यादातर वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि वैक्सीन का श्लाभ–बनाम–खतराय संतुलन इसे लगवाने के हक में अधिक ठहरता है। वैक्सीन से अति गंभीर स्थिति बनने से रोकने में इसकी प्रभावशीलता लगभग 92 प्रतिशत पाई गई है। सरकार कोविड–19 से छुटकारा पाने को देशव्यापी टीकाकरण अभियान चला रही है, लेकिन क्या यह कारगर होगा? कुछ रिपोर्टें विचलित करने वाली हैं। फिलहाल पक्का नहीं है कि वैक्सीन की प्रभावशीलता शरीर में कब तक और कितनी मात्रा में बनी रहेगी। टीका उपरांत विपरीत असर होने की भी सूचनाएं हैं, कइयों में दोनों खुराकें लगने के बाद भी कोविड–19 रिपोर्टें पॉजिटिव आई हैं, तो कुछ लोगों पर उलटा असर होने के समाचार हैं, जिससे खुद स्वास्थ्य सेवा बिरादरी में सहम है। दिल्ली स्थित एम्स के 100 से ज्यादा तो सर गंगाराम अस्पताल के 37 से अधिक और लखनऊ के केजी मेडिकल कॉलेज में 39 चिकित्सक दोनों खुराकें लगने के बावजूद पॉजिटिव मिले हैं। क्या यह कारक–और–प्रभाव का संबंध बतलाता है? यूरोप के कई देशों में वैक्सीन लगने के बाद खून में थक्के बनने के कई मामले मिले हैं, जिसकी वजह से बनी असहजता से टीकाकरण रोकना पड़ा था। डेनमार्क पहला देश था, जिसने टीका उपरांत खून में थक्के बनने के आलोक में टीकाकरण निलंबित कर दिया था। एक भारतीय अधिकारी का कहना है श्यूरोप के इस प्रसंग के परिप्रेक्ष्य में हम भी कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीकाकरण उपरांत खून के थक्के वाले अवांछनीय प्रभावों को लेकर पैनी नजर रख रहे हैं।य 31 मार्च को नेशनल एईएफआई कमेटी (एडवर्स इवेंट फॉलोइंग इम्युनाइजेशन) के सामने रखी गई रिपोर्ट में माना गया है कि देश में टीका उपरांत विपरीत असर से 180 लोगों की मृत्यु और 700 की हालत गंभीर हुई थी। इनमें तीन–चौथाई मौतें टीका लगने के 3–4 दिन के अंदर ही हो गई थीं। तथापि मामले की पूरी और पारदर्शी जांच करके सच सामने रखने से लोगों में भरोसा बनेगा। दुर्योग यह है कि वायरस संक्रमण का ग्राफ जनवरी में शुरू हुए टीकाकरण अभियान के साथ बढने लगा है। क्या कारण है, कुछ पक्का नहीं है। यह पाकर कि रोगप्रतिरोधक क्षमता से बचने की कला विकसित कर चुका कोविड रूपांतर फिलहाल उपलब्ध वैक्सीन से मरने वाला नहीं है, इससे सामूहिक टीकाकरण की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। जबकि अकेले 9 अप्रैल को ही कोविड–19 के विस्फोट से 1. 34 लाख लोग पॉजिटिव पाए गए थे और उसके बाद ग्राफ रोजाना ऊपर उठ रहा है। अब विशेषज्ञ पशोपेश में हैं कि यदि अगले कोरोना रूपांतरों की वैक्सीन बन भी जाए तो क्या लोग अपनी हिचक त्याग देंगे। जब तक वैक्सीन की प्रभावशीलता को लेकर भारत का डाटा पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल जाता तब तक लोगों में संशय बरकरार रहना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ नये आविष्कार आशा जगाते हैं। इस्राइल की ओरामेड और भारत की प्रेमास बॉयोटेक ने संयुक्त प्रयासों से कोविड–19 रोधी गोली बनाई है, जिसे आम दवा की तरह पानी से निगला जा सकेगा। बेंगलुरु की ऑर्गेनाइसेशन डी स्केलिन को अमेरिका की एफडीआई संस्थान एवं यूरोपियन यूनियन से स्केलिन हाईपरचार्ज कोरोना कैनन (शाईकोकैन) नामक उपकरण की प्रभावशीलता को लेकर मान्यता मिल गई है। बिजली से चलने वाले इस उपकरण से निकले निगेटिव चार्ज आयन एक दायरे में हवा में व्याप्त 99.9 प्रतिशत कोरोना वायरस को नकारा कर देते हैं। यह दवा नहीं बल्कि संक्रमण रोधी यंत्र है। कोविड–19 के इलाज में अब तक वायरस–रोधी और अन्य दवाएं असरदार होने में विफल रही हैं, वहीं दो दवाओं का मिश्रण भी सीमित मात्रा में ही प्रभावभाली सिद्ध हुआ है। इनमें एक है कैसिरीवीमेब और दूसरी इम्डैवीमेब है, जो एक हद तक पीडिघ्त को अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बनने से बचाने में सफल रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप का इलाज इनकी मदद से हुआ था। हालांकि यह दवाएं भारत में उपलब्ध नहीं हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने लोगों की जीवनशैली के कुछ विशिष्ट अवयवों और संक्रमणग्रस्त होने की संभावना के बीच संबंध पाया है। मोटापा ग्रस्त, मधुमेह–रक्तचाप–हृदय रोग पीडिघ्तों को संक्रमण का खतरा अधिक है और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत भी ज्यादा बनती पाई गई है। उन्हें वैक्सीन अपने चिकित्सक से परामर्श के बाद ही लगवानी चाहिए। जो लोग कोविड नेगेटिव पाए गए हैं, उनके खून में गुड एचडीएल कॉलेस्ट्रोल की मात्रा सही अनुपात में होती है। गुड एचडीएल बढ़ाने के लिए व्यक्ति को रोजाना व्यायाम, अच्छी नींद, पर्याप्त मात्रा में पानी और धूप का सेवन करना चाहिए और साथ ही मोनोसैचुरेटेड फैट युक्त तेल जैसे कि एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल और एवोकेडो मददगार सिद्ध हो सकते हैं। हृदय रोगी और वे लोग जिनकी विगत में सर्जरी हो चुकी है, उन्हें किसी कोविड संक्रमित व्यक्ति या बुखार ग्रस्त के पास जाने से बचना चाहिए। पॉलीमिरेस चेन रिक्एशन टेस्ट (पीसीआर) बता सकता है कि क्या उन पर कोविड का हमला हो चुका है। यदि टेस्ट में साइकल थ्रैशहोल्ड सूचकांक 24 या इससे कम आता है तो संक्रमण हो चुकने की काफी संभावना है। सनद रहे कि कोविड संबंधी सावधानी पालन और स्वस्थ जीवनशैली आपको बचाने में मददगार होंगे।

कैटरीना कैफ ने कोरोना वायरस से जीती जंग

अभिनेता सोनू सूद ने शनिवार को कहा कि उनकी जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और फिलहाल वह पृथक–वास में हैं। सूद ने लगभग 10 दिन पहले कोविड–19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी। अभिनेता सोनू सूद ने शनिवार को कहा कि उनकी जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और फिलहाल वह पृथक–वास में हैं। सूद ने लगभग 10 दिन पहले कोविड–19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी। वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ कोविड–19 संक्रमण से स्वस्थ हो गई हैं। उनकी कोरोना वायरस जांच निगेटिव आई है। दूसरी ओर, बीमार हुए अभिनेता विनीत कुमार सिंह को अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दवाएं भेजी, जिसके लिए उन्होंने ट्वीट कर उनका आभार जताया। सूद ने ट्वीट किया, "आपको बताना चाहता हूं कि आज सुबह मेरी जांच में कोविड–19 की पुष्टि हुई है। एहतियात के तौर पर मैंने खुद को पृथक कर लिया है और सावधानी बरत रहा हूं।" उन्होंने कहा, "लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। मेरे पास आपकी समस्याओं का निदान करने के लिए पर्याप्त समय है। याद रखें मैं आप सबके लिए हमेशा उपलब्ध हूं।" सूद ने सात अप्रैल को कोविड–19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी। वहीं,अभिनेत्री कैटरीना कैफ (37) ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा कि वह कोविड–19 से 10 दिन तक पीड़ित रहने बाद अब ठीक हो गई हैं और उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा, "निगेटिव। जिन्होंने भी मेरी सुध ली उन्हें धन्यवाद।" उधर, बॉलीवुड के एक अन्य अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने दवाएं भेजने के लिए शनिवार को पंकज त्रिपाठी को धन्यवाद दिया। इससे पहले सिंह ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि उनके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। "गैंग्स ऑफ वासेपुर" और "मुक्केबाज" में अभिनय कर चुके सिंह इस समय वाराणसी में हैं। उन्होंने देश में कोविड–19 के मामले बढ़ने को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया, "मैं बनारस में हूं। बाजार में दवा (फेबि फ्लू) नहीं मिल रही है। निजी लैब कोविड टेस्ट करने को पांच दिन से असमर्थ हैं। बीमार को क्या दूं? आपके वादे या आपके अपार भीड़ वाली रैली की वीडियो? जो आप लोग लगातार पोस्ट कर रहे हैं? धिक्कार है। स्वार्थ अंधा बना देता है। जागें,आम आदमी दम तोड़ रहा है।" इस ट्वीट के कुछ घंटों बाद सिंह ने लिखा कि वह और उनके परिवार के सदस्य तथा दोस्त अस्वस्थ हैं। सिंह ने इसकी पुष्टि नहीं की, कि उन्हें कोविड–19 के लक्षण हैं या नहीं। अभिनेता ने दवाएं भेजने के लिए त्रिपाठी को धन्यवाद दिया और कहा कि "गैंग्स ऑफ वासेपुर" में जहां उनके किरदार को त्रिपाठी का किरदार मार डालता है, वहीं असल जिंदगी में त्रिपाठी ने उनकी जान बचाई। उन्होंने लिखा "जिन लोगों को संदेह है, मेरे परिवार के कुछ सदस्य बीमार, मित्र बीमार हैं। यहां तक कि मैं भी बीमार हूं। हमें दवा प्राप्त हुई है। शुक्रिया, भाई पंकज त्रिपाठी।

अंकिता लोखंडे ने लेटेस्ट फोटोशूट में दिखाई आंखें

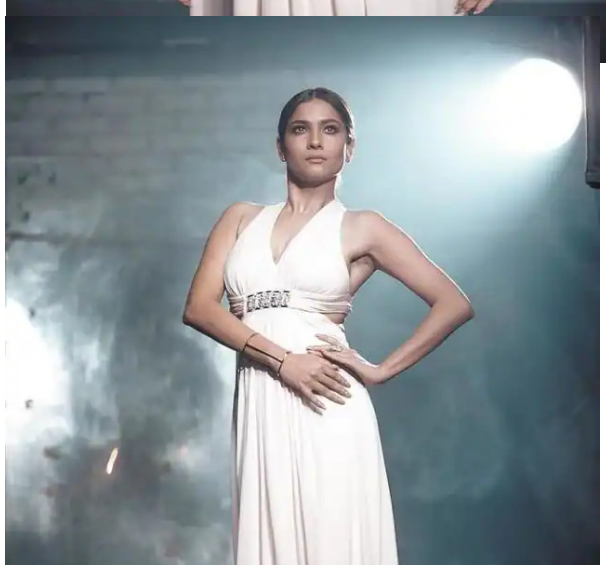

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का रास्ता तय कर चुकीं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने फैंस के बीच चर्चा में बनी रहने के लिए आए दिन दिलचस्प पोस्ट शेयर करती दिखाई दे जाती हैं। वहीं एक बार फिर से ऐसे ही कारणों से सुर्खियों में आ गई हैं।

लोकप्रिय तमिल कॉमेडियन विवेक का पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक का यहां शनिवार को निधन हो गया। अभिनय के अलावा उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता था। लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक का यहां शनिवार को निध ान हो गया। अभिनय के अलावा उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता था। एसआईएमएस अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट डॉ राजू शिवसामी ने बताया कि 59 वर्षीय अभिनेता का तड़के निधन हो गया। इस बीच, सरकार ने कहा कि फिल्म जगत और सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए विवेक का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा। दिवंगत अभिनेता के परिवार में उनकी पत्नी, और दो बेटियां हैं। कुछ साल पहले विवेक के किशोर बेटे का निधन हो गया था। शुक्रवार को अभिनेता को दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आए थे। प्रख्यात कॉमेडियन विवेक ने दो सौ से अधिक फिल्मों में काम किया था और उन्हें पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाना जाता था। पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता ने अपने करियर में रजनीकांत, विजय और अजित कुमार जैसे कलाकारों के साथ काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन, रजनीकांत, मक्कल नीधि मय्यम के नेता कमल हासन समेत कई नामचीन हस्तियों ने विवेक के निधन पर शोक प्रकट किया। पलानीस्वामी ने कहा, "वह युवाओं के लिए आदर्श थे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में विवेक ने सरकार की पहल का पुरजोर समर्थन किया था और प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगाम लगाने की दिशा में काम किया था। उन्होंने कहा कि विवेक पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के बड़े प्रशंसक थे और "ग्रीन कलाम पहल के तहत उन्होंने एक करोड़ पौधे लगाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

प्रशंसक जब थियेटर में 'फास्ट एंड फ्यूरियस' देखते हैं तो कुछ विशेष होता ह: विन डीजल

हॉलीवुड अभिनेता विन डीजल का कहना है कि लोग "फास्ट एंड फ्यूरियस" श्रृंखला की फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, इसलिये टीम के लिये यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि इसका नौवां अध्याय थियेटर के अनुभव साथ लेकर आए। हॉलीवुड अभिनेता विन डीजल का कहना है कि लोग "फास्ट एंड फ्यूरियस" श्रृंखला की फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, इसलिये टीम के लिये यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि इसका नौवां अध्याय थियेटर के अनुभव साथ लेकर आए। "फास्ट एंड फ्यूरियस 9" या "एफ9" दुनिया भर में 25 जून को थियेटरों में रिलीज के लिये तैयार है। इसके साथ ही इस श्रृंखला में निर्देशक जस्टिन लिन की वापसी हो रही है। दो दशक पहले इस श्रृंखला की शुरुआत से ही इसका चेहरा बने डीजल ने कहा कि उनका हमेशा से यह मानना है कि फिल्म का असली मजा थियेटर में देखने में है। अभिनेता (53) ने कहा कि किसी को अंदाजा नहीं था कि यह महामारी कैसे मानवीय व्यवहार को प्रभावित करेगी, और यही वजह है कि फिल्म का थियेटर में रिलीज होना और खास बन गया है। डीजल ने जूम ऐप पर आयोजित वैश्विक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "किसी ऐसी चीज का हिस्सा बनकर बहुत विशेष लगता है जो दुनिया को जोड़ेगी। मुझे नहीं लगता कि हमनें कभी इसका आकलन किया होगा कि एक समुदाय के तौर पर साथ मनोरंजन नहीं कर पाने की वजह से हम क्या खोएंगे।" 'पीटीआई' भी इस संवाददाता सम्मेलन में शामिल थी।

मुरझा जाए तुलसी का पौधा तो हो जाएं सतर्क, इस बात का हो सकता है संकेत

हिंदू धर्म से में तुलसी के पौधे को देवतुल्य माना जाता है। कुछ लोग आंगन में तुलसी का पौधा भी जरूर लगाते हैं, ताकि घर में सुख–शांति बनी रहे और पॉजिटिव एनर्जी आए। मगर, इसका ख्याल बाकी पौधों से थोड़ा अलग तरीके से रखा जाता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि तुलसी का प्लांट घर में लगा है तो किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है...

सिर्फ मिट्टी में न लगाएं तुलसी का पौधा

तुलसी के पौधे में ज्यादा पानी डालने से वो खराब हो जाता है। ऐसे में तुलसी का पौधा 70: मिट्टी और 30: रेत में लगाएं। इससे वो बारिश के मौसम में भी खराब नहीं होगा।

नेचुरल खाद का इस्तेमाल

तुलसी का पौधा उगाने के लिए गाय के गोबर से बनी खाद का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि तुलसी हमेशा थोड़ा गहरा और चौड़ा गमले में लगाएं। इससे पौधा जल्दी बढ़ेगा और हर मौसम में हरा–भरा भी रहेगा।

ऐसे दें जल

तुलसी को जल देने के लिए कांसे के लौटे का इस्तेमाल करें। साथ ही महिलाएं शाम के समय तुलसी के सामने दीया जरूर लगाएं। इससे घर में सुख–शांति बनी रहेगी।

तुलसी को खराब होने से कैसे बचाएं?

1 लीटर पानी में 1 चम्मच नमक मिलाकर पौधे की पत्तियों व मिट्टी पर छिड़कें। इससे पौधा हरा–भरा रहेगा और खराब नहीं होगा।

तुलसी पत्तियों के मुरझाने पर करें ये काम

अगर तुलसी का पौधा सूख चुका हो तो उसे घर में न रखें। इसे किसी मंदिर या पवित्र नदी में विसर्जित कर दें क्ध्योंकि सूखी हुई तुलसी घर के लिए अशुभ होती है। यह भविष्य में होने वाले किसी संकट का संकेत हो सकता है।

तुलसी रखने की सही दिशा

तुलसी के पौधे को ना सिर्फ मां लक्ष्मी माता का स्वरूप माना जाता है बल्कि यह विष्णु को भी बेहद सर्वप्रिय है। वास्तु के अनुसार, इसे उत्तर, उत्तर–पूर्व, दक्षिण–पूर्व में रखना शुभ होता है। इसके अलावा तुलसी को भूलकर भी पूर्व और उत्तर–पश्चिम दिशा में ना लगाएं।

तुलसी की पत्तियां तोड़ते समय ना करें ये गलतियां

– कभी भी रविवार, अमावस्या, द्वादशी और चतुर्दशी पर तुलसी तोड़ने की भूल ना करें। अगर पत्तियों की ज्यादा जरूरत हो तो उन्हें तोड़ने से पहले पौधे को हिला लें।

– वास्तु शास्त्र में सूर्यास्त के बाद भी तुलसी तोड़ना अशुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, राधा रानी का रुप मानी जाने वाली तुलसी सांयकाल के समय माता लीला करती हैं।

– खींचकर या नाखूनों से तुलसी तोड़ना भी वर्जित माना जाता है।

–शास्त्रों के अनुसार, तुलसी एक वृक्ष नहीं बल्कि राधा रानी का अवतार हैं। ऐसे में इसकी पत्तियों को चबाएं नहीं बल्कि जीभा पर रख कर चूसें।

बेवजह थकान और बदन दर्द, इस Vitamin की कमी का हो सकता हैं संकेत

विटामिन–डी एक ऐसा न्यूट्रिएंट है जो कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। सूरज की किरणों के संपर्क में रहने से कोलेस्ट्रॉल के जरिए शरीर को विटामिन–डी मिलता है लेकिन धूप में न जाने व दिन–प्रतिदिन बदलती आदतों के कारण लोगों में इसकी कमी पाई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में करीब 1 बिलियन लोग इसकी कमी से जूझ रहे हैं और उन्हें पता भी नहीं।

5 प्रकार की होती है विटामिन–डी

विटामिन–डी के 5 प्रकार होते हैंरू डी–1, डी–2, डी–3, डी–4 और डी–5, जिसमें से विटामिन क3 यानि कैल्सिफेरल सेहतमंद रहने के लिए सबसे जरूरी है। यही, हड्डी, दांत और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसकी कमी से रिकेट्स, सूखा रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, पीठ दर्द व जोड़ोंमी बने रह, एनीमिया, दांतों में दिक्कत और हड्डियां कमजोर हो सकती हैं।

कैसे पहचानें शरीर में हो गई है विटामिन–डी की कमी

बेवजह थकान

नींद पूरी होने के बाद थके–थके रहते हैं तो इसका कारण शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है क्योंकि बॉडी को एनर्जी देने का कारण भी करता है।

कमजोर इम्युन सिस्टम

विटामिन–डी की कमी से इम्युन सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे आप बार–बार बीमार पड़ते रहते हैं। बता दें कि रिसर्च में कोरोना वायरस से संक्रमित करीब 80: मरीजों में विटामिन–डी की कमी पाई गई है।

बाल झड़ना

हेयर फॉलिकल्स के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी है। इसकी कमी से ऑटो–इम्युन स्थिति बन जाती है, जिससे बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने भी लगते हैं।

पीठ में दर्द

इसकी कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं क्योंकी यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करता है। नतीजन इसकी कमी से हड्डियों, मांसपेशियों, जांघों, पेल्विस, हिप्स और पीठ में दर्द रहने लगता है।

मूड खराब होना

एक्सपर्ट की मानें तो विटामिन–डी मूड़ को भी ट्रिगर करताहै। यह मूड को खुशनुमा बनाए रखता है इसलिए इसकी कमी से लोग डिप्रेशन का शिकार भी हो सकते हैं।

चोट का जल्दी ठीक ना होना

छोटी–सी चोट को ठीक होने में भी ज्यादा वक्त लगे तो ये शरीर में विटमिन डी की कमी का संकेत हो सकता है। इसकी कमी से शरीर में घाव के ठीक होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

कैसे करें इस कमी को दूर

रोजाना 30–45 मिनट गुनगुनी धूप में जरूर बैठें। इसके अलावा कुछ आहार जैसे दूध–दही, बादाम, मशरूम, ब्रोकली, अंडा, पनीर, मछली, मक्खन, दलिया, संतरे के जूस, गाजर, टोफू, केल, कोलार्ड, पालक, सोयाबीन और इंस्टेंट ओट्स भी विटामिन डी की कमी पूरी करते हैं।

अगर फूड्स के जरिए विटामिन की कमी पूरी नहीं हो पा रही तो मार्केट में विटमिन–डी टैबलेट्स व सप्लीमेंट्स भी उपलब्ध हैं लेकिन इसका सेवन एक्सपर्ट से पूछे बिना ना करें।

वायरल से बचने के लिए इम्युनिटी स्ट्रांग करना चाहते हैं तो रोज रात फॉलों करें यह नुस्खा

कोविड–19 की वजह से लोग अपनी हेल्थ को लेकर काफी सचेत हो गए है। पिछले साल के मुताबिक इस साल आया कोरोना का नया स्ट्रेन काफी खतरनाक है। यह सीधे आपकी इम्युनिटी पर असर तो डालता ही है वहीं इसके अलावा शरीर के बाकी अंग जैसे कि कान और आंख पर भी सीधा अटैक कर रहा है। यह सबसे पहले खांसी, जुकाम और गले में खराश से शुरू होता है। ऐसे वायरल से बचने के लिए पहले के लोग डॉक्टरों की बजाएं घर पर ही घरेलू उपचार कर लेते है जोकि बहुत कारगार साबित होते थे. खांसी, जुखाम और गले में खराश जैसे वायरल से खुद बचाने के लिए आप रात को सोने से पहले 2 लौंग को अच्छे से चबा कर एक गिलास गुनगुना पानी पी लें। इससे गले में खराश और दर्द दोनों से तुरंत आराम मिलेगा। आईए जानते हैं लौंग के और क्या है फायदें–

इम्युनिटी को बनाएं स्ट्रांग– लौंग विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता हैं। जो इम्युनिटी को स्ट्रांग बनाए ररने के लिए काफी कारगार है। वहीं यह शरीर को इंफेक्शन से भी बचाने में मदद करता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार लौंग के सेवन से शरीर में मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणु नष्ट हो जाते हैं।

खांसी–जुकाम के लिए भी वरदान है लौंग–

बदलते मौसम में अकसर सर्दी–जुकाम जैसे वायरल हो जाते हैं। इसके लिए आप चाय में लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं जो सर्दी–खांसी और बुखार जैसी समस्या के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। वहीं यह गले की खराश को भी दूर करता है।

ऐसे करें लौंग का इस्तेमाल–

–रात को सोने से पहले 2 लौंग को अच्छे से चबाएं और फिर एक गिलास गुनगुना पानी पीएं। ऐसा करने से एक तो गले में खराश और दर्द दोनों की शिकायत दूर होती है।

– इसके अलावा खांसी, जुकाम में आप 2–3 लौंग को मुंह में रखकर अच्छी तरह चबाएं, इसका रस खांसी दूर करने में काफी कारगार है।

–लौंग व अन्य गुणकारी साबुत मसालों से बने काढ़े का सेवन इम्युनिटी को स्ट्रांग करता है।

काढ़ा बनाने विधि–

इसके लिए आप 1 चम्मच लौंग, काली मिर्च, 2 इलायची, दालचीनी एक स्टिक, 7–8 तुलसी के पत्ते, 1 हल्दी का टुकड़ा और 2–3 मुनक्के को हल्का ड्राय रोस्ट कर पीस लें। फिर एक बर्तन में पानी डालकर उसे तब तक उबालें, जब पैन में पानी की मात्रा आधी हो जाए। अब इसे छानकर गर्म–गर्म इसका सेवन करें।

गर्मियों में स्पचे हो जाते हैं ड्राई तो एक बार लगाकर देखें होममेड लिपबाम

गर्मियों के मौसम में चलने वाले गर्म हवाओं के कारण होंठ सूखने की समस्या काफी देखने को मिलती है। हालांकि इसका एक बार पानी कम पनी भी है। दरअसल, भरपूर पानी ना पीने से होंठों की नमी खो जाती है और वो सूखने लगते हैं। ऐसे में आपको भरपूर पानी पीना चाहिए। इसके अलावा आप होममेड बाम की मदद से भी इस समस्या की छुट्टी कर सकती हैं। यहां हम आपको एक नेचुरल बाम बनाने का तरीका बताएंगे, जो होंठों को मुलायम रखने के साथ गुलाबी भी बनाएगा।

सबसे पहले जानिए काले होंठों के कारण

. सही तरीके से देखभाल ना करना

. खराब क्वालिटी की लिपस्टिक व प्रोड्कट्स का इस्तेमाल

. होंठों को चबाना या रंगड़ना

. स्मोकिंग, कैफी का अधिक सेवन

. भरपूर पानी ना पीना

. पोषक तत्वों की कमी के कारण

च्नदरंइज्ञमेंतप

नेचुरल लिप बाम बनाने के लिए आपके चाहिए

नारियल तेल

न्यूटेला – आधा चम्मच

मोम – 1 चम्मच

एक कंटेनर या डिब्बी

बनाने का तरीका

इसके लिए एक पैन में नारियल तेल गर्म करें फिर इसमें न्यूटेला और मोम मिलाकर कुछ देर पकाएं।

43 से अधिक अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से अटकीं मरीजों की सांसें

लखनऊ। कोरोना मरीजों की संख्या में वृद्धि के साथ ही कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन की खपत छह गुना तक बढ़ गई है। यदि इसी रफ्तार में मरीज बढ़ते रहे तो ऑक्सीजन की भारी किल्लत होगी। पीजीआई, केजीएमयू, लोहिया संस्थान व एरा हॉस्पिटल के कोविड अस्पतालों में लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगने से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन शहर के अन्य करीब 43 से अधिक कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। रोजाना सिलेंडर मंगाने के बावजूद ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है। ऑक्सीजन कंपनियां मांग के मुताबिक सिलेंडर नही दे पा रही हैं। मौजूदा समय में 47 कोविड अस्पतालों में 3700 मरीज भर्ती हैं। इनमें से करीब तीन हजार को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। 80 : मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही कोविड अस्पतालों में भर्ती मरीजों में 80 : से अधिक को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। वहीं घरों में आइसोलेट करीब 45 हजार मरीजों में से डेढ़ हजार मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। जिसके चलते ऑक्सीजन की भारी किल्लत हो गई है। यही वजह है कि ऑक्सीजन के छोटे सिलेंडर बाजार से गायब हैं। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों को ऑक्सीजन के लिए भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। 5040 सिलेंडर की रोज आपूर्ति लखनऊ में छह कंपनियां ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही हैं। रोजाना 5040 ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति हो पा रही है, जबकि इस समय खपत साढ़े छह हजार से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर की है। इसके चलते आसपास के जिलों से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगाने पड़ रहे हैं। सामान्य दिनों में करीब डेढ़ हजार सिलेंडरों की खपत होती थी। केजीएमयू, लोहिया और पीजीआई के कोविड हॉस्पिटल में 20 हजार किलोलीटर क्षमता का लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट है। सभी को ऑक्सीजन की जरूरत नहीं डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल आने वाले 80 से 90 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। हाई फ्लो कैनुअला से भी मरीजों को सांसे देने की कोशिश की जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि 90 से 95 प्रतिशत मरीज बिना लक्षण वाले हैं। लिहाजा ऐसे मरीज घबराएं नहीं। सभी को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं है। बेवजह ऑक्सीजन सिलेंडर न जुटाएं ताकि गंभीर मरीजों के इलाज में अड़चन न आएं। निजी अस्पतालों में आक्सीजन का भारी संकट 15 लेवल 3 ग्रेड के निजी अस्पतालों में आक्सीजन का भारी संकट बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन ने बिना सुविधाएं और संसाधन परखे इन्हें कोविड अस्पतालों में तब्दील कर संक्रमित मरीजों को भर्ती करने का आदेश दे दिया है। निजी अस्पताल संचालकों का कहना है कि ऑक्सीजन की 15 दिन के भीतर बहुत ज्यादा मांग बढ़ गई है। ऑक्सीजन सिलेंडर में कालाबाजारी शुरू जो गई है। तीन गुना ज्यादा दाम देने पर भी सिलेंडर नही मिल पा रहे हैं। ऑक्सीजन की खपत और उपलब्धता पर ड्रग इंस्पेक्टर बृजेश कुमार को संपर्क किया गया लेकिन उनका फोन नही उठा।

5040 सिलेंडर की रोज आपूर्ति

लखनऊ में छह कंपनियां ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही हैं। रोजाना 5040 ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति हो पा रही है, जबकि इस समय खपत साढ़े छह हजार से ज्यादा ऑक्सीजन सिलेंडर की है। इसके चलते आसपास के जिलों से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगाने पड़ रहे हैं। सामान्य दिनों में करीब डेढ़ हजार सिलेंडरों की खपत होती थी। केजीएमयू, लोहिया और पीजीआई के कोविड हॉस्पिटल में 20 हजार किलोलीटर क्षमता का लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट है।

सभी को ऑक्सीजन की जरूरत नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल आने वाले 80 से 90 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। हाई फ्लो कैनुअला से भी मरीजों को सांसे देने की कोशिश की जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि 90 से 95 प्रतिशत मरीज बिना लक्षण वाले हैं। लिहाजा ऐसे मरीज घबराएं नहीं। सभी को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं है। बेवजह ऑक्सीजन सिलेंडर न जुटाएं ताकि गंभीर मरीजों के इलाज में अड़चन न आएं।

निजी अस्पतालों में आक्सीजन का भारी संकट

15 लेवल 3 ग्रेड के निजी अस्पतालों में आक्सीजन का भारी संकट बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन ने बिना सुविधाएं और संसाधन परखे इन्हें कोविड अस्पतालों में तब्दील कर संक्रमित मरीजों को भर्ती करने का आदेश दे दिया है। निजी अस्पताल संचालकों का कहना है कि ऑक्सीजन की 15 दिन के भीतर बहुत ज्यादा मांग बढ़ गई है। ऑक्सीजन सिलेंडर में कालाबाजारी शुरू जो गई है। तीन गुना ज्यादा दाम देने पर भी सिलेंडर नही मिल पा रहे हैं। ऑक्सीजन की खपत और उपलब्धता पर ड्रग इंस्पेक्टर बृजेश कुमार को संपर्क किया गया लेकिन उनका फोन नही उठा।

चायवाला कर रहा है कोरोना के प्रति जागरूक

लखनऊ,(यूएनएस)। वैश्विक महामारी कोविड–19 के दिनों–दिन बढ़ते प्रकोप से लखनऊवासी बेहाल है। राजधानी में इसका प्रकोप चरम पर है। शमशान व कब्रिस्तान में लाशों के ढेर है। फिर भी राजधानी की मलिन बस्तियों में रहने वालो को न तो सरकार और न ही प्रशासन और न ही कोई स्वयंसेवी संगठन उनका हाल ले रहा है। अशिक्षा और गरीबी के कारण वे लोग कोरोना के प्रति लापरवाह और बेखबर भी है। उनको कोरोना के खतरे प्रति जागरूक करने और बताने वाला कोई नहीं है। ऐसे हालात में एक चाय बेचने वाला अपने सीमित संसाधनों के बीच लोगों को कोरोना के खतरे के प्रति जागरूक कर रहा है। ऐशबाग रोड स्थित मोतीझील के किनारे मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्थानीय चाय दुकानदार रज्जन यादव कोरोना के प्रति जागरूक कर रहे है। रज्जन अपनी कमाई से इन गरीब लोगों में मास्क और सैनिटाइजर तो बांट ही रहे है साथ ही उनको साफ–सफाई रख कर कोरोना के प्रति जागरूक भी कर रहे है। रज्जन के अनुसार इस महामारी के दौर में वे कई जानने वाले अपनों को खो चुके है। इस दर्द को वे समझते है। इसीलिये वे अपनी सीमित कमाई से इन गरीबों को कोविड प्रोटोकाल के प्रति समझा कर जागरूक कर रहे है। उनके अनुसार सरकारी मशीनरी यहां व अन्य किसी मलिन बस्तियों में रहने वालों का कोई पुरसाहाल लेने नहीं जाती है। इनको केवल मरने के लिये छोड़ दिया जाता है। इन हालातों में रज्जन जैसे लोग जो कार्य कर रहे वह सराहनीय होने के साथ सरकार व दूसरों के लिये प्रेरणादायी है।

केआईएमएस ने आठ माह में पूरे किये 50 बाइलेटरल लंग और हार्ट ट्रांसप्लांट

लखनऊ,(यूएनएस)। कोरोना महामारी के दौर में बीते लगभग आठ माह में बारह कोविड डबल लंग ट्रांसप्लांट सहित पचास लंग और हार्ट ट्रांसप्लांट की प्रक्रियायें पूरी की है। यह ट्रांसप्लांट कृष्णा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साईंसिस (केआईएमएस), हैदराबाद के डाक्टर्स ने किये है। सितम्बर 2020 से अप्रैल 2021 के मध्य हुये इन ट्रांसप्लांट करने वाले हास्पिटल में पूरे देश से गंभीर रूप से पीड़ित मरीज आए थे, और इनमें से कुछ को कोविड 19 वाइरस के कारण सांस लेने में तकलीफ के ले उन्नत श्वास संबंधी सहयोग– ईएसएमओ–की आवश्यकता थी। इन मरीजों को उत्तर में जम्मू और कश्मीर, पंजाब, दिल्लीय दक्षिण में केरल, कर्णाटक, पश्चिम में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थानय और पूर्व में पश्चिम बंगाल, ओडिशाय और साथ ही केंद्रीय भारत मीध्न मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ से लाया गया था। रिकार्ड प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, डाक्टर संदीप अट्वार, प्रोग्राम निदेशक और मुखिया, थोरैसिक आर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम, केआईएमएस अस्पताल ने कहा, "समूह ने कोविड–19 के कारण सांस लेने की तकलीफों से पीड़ित मरीजों के लिए 12 डबल लंग ट्रांसप्लांट किये हैं और सितंबर 2020 से उन्नत कार्डियो रेस्पिरेटरी फेलियर से पीड़ित महिलाओं की 38 हार्ट, डबल लंग और कम्बाइंड हार्ट डबल लंग ट्रांसप्लांट किये हैं। जबकि पहले, ध्यान लंबे समय की श्वास संबंधी बीमारियों पर था, पिछले 8 महीनों में ध्यान कोविड–19 महामारी के कारण उन्नत श्वास संबंधी तकलीफों के प्रबंध पर केंद्रित हुआ है। 50 थोरैसिक ट्रांसप्लांट प्रक्रियाओं के साथ जिसमें दोनों फेफड़े और दिल शामिल है, केआईएमएस ने फिर एक बार सबसे उन्नत स्वावस्थ्य देखभाल संस्थाओं में अपने नाम की घोषणा की है, ना केवल देश में बल्कि पूरे एशिया में। इस प्राप्ति से केआईएमएस अस्पतालों में तकनीकी उत्तमता और ज्ञान की उत्कृष्टता का प्रमाण मिलता है। हमें पूर्ण विशवास है कि यह केवल एक शुरुआत है और केआईएमएस आने वाले समय में देश के लिए और कई सफलताओं पर अपनी छाप छोड़ेगा। केआईएमएस के प्रबंध निदेशक, डाक्टर बी भास्कर राओ का मानना है कि एक व्यक्ति में कोविड 19 संक्रमण अप्रत्याशित हैय लेकिन जिन मरीजों को बिमारी के शुरूआती समय में फेफड़ों की तकलीफ और श्वास संबंधी परेशानियां शुरू होती हैं उनकी बिमारी अधिक गंभीर हो सकती है। उन्नत श्वास संबंधी सहयोग जैसे ई सी एम ओ का इस्तेमाल इन मरीजों के इलाज में किया जाना चाहिए और उसे सैलवेज थेरेपी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जो मरीज 2–4 हफ्तों के बाद भी ई सी एम ओ के बावजूद सुधार के संकेत नहीं देते हैं उन्हें लंग ट्रांसप्लांट कराना चाहिए। संस्थान में समूह ने कोविड – 19 मरीजों के लिए 12 ट्रांसप्लांट किये हैं जो कि एशिया में सबसे अधिक है। प्रत्येक केस चुनौतीपूर्ण था और उससे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक केस में, एक नौजवान को 56 दिनों के लिए ई सी एम ओ सहयोग दिया गया और उसके बाद सफल डबल लंग ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन की सख्ती, मास्क नहीं पहनने पर 633 लोगों से वसूला एक लाख से ज्यादा जुर्माना

लखनऊ। कोरोना कर्फ्यू के दौरान सड़कों पर सख्ती दिखी तो शासन–प्रशासन की सख्ती भी नजर आई। मास्क नहीं पहनने वालों से जुर्माना वसूला जा रहा है। अकेले राजधानी लखनऊ में ही मास्क नहीं पहनने पर 633 लोगों से 1,02,083 रुपये जुर्माना वसूला गया। खुले में मास्क, ग्लब्स व पीपीई किट फेंकने वाले अस्पतालों से भी 20 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। प्रदेश सरकार की ओर से लगाए गये 35 घंटे के कोरोना कर्फ्यू का असर रविवार को राजधानी लखनऊ सहित पूरे राज्य में दिखा। लोगों ने संक्रमण से बचाव के लिए घरों से बाहर कदम नहीं निकालें। सड़कों से लेकर गली–मुहल्लों में भी सन्नाटा पसरा रहा। 1208 समूहों की महिलाएं मास्क बनाने में जुटीं उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निदेशक सुजीत कुमार ने बताया है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए 1208 समूहों से जुड़ी महिलाएं मास्क बनाने में जुट गई हैं। कोरोना संक्रमण के इस दौर में 18 अप्रैल तक महिलाओं ने 09 लाख 39 हजार 562 मास्क बना दिए थे। 17 महिला समूहों ने अब तक 1,248 पीपीई किट भी बनाए हैं। उन्होंने बताया है कि समूहों को खादी तथा सूती कपड़े मास्क बनाने के लिए मुहैया कराए जा रहे हैं। मास्क किस तरह का बनेगा, इसका डिजाइन भी इन्हें दिया गया है। महिलाओं द्वारा बनाए गए मास्क स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, खाद्य विभाग तथा पुलिस प्रशासन को भी उचित दर पर मुहैया कराने की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में समूहों द्वारा बनाए गए मास्क की मांग अधिक है।

लखनऊ। श्मशान पर कम नहीं हो रही शवों की संख्या, कब्र खोदने वाले पड़ गए कम, तिगुना हुआ खोदाई का रेट।

कोरोना से जंग पर बोले सीएम योगी, किसी भी कीमत पर ऑक्सीजन की कालाबाजारी न होने पाए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी कीमत पर ऑक्सीजन की कालाबाजारी न होने पाए। प्रदेश के सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन की अगले 15 दिनों की संभावित आवश्यकता का आकलन करते हुए केंद्र सरकार को मांग पत्र भेज दिया जाए। जब कोरोना से दस कदम आगे की सोच रखेंगे, तभी उसको नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को टीम 11 की बैठक को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता में एक–एक व्यक्ति की जान बचाना है। सभी जिलों में ऑक्सीजन की अनवरत आपूर्ति बनी रहे। रिफिलिंग प्लांट को निर्बाध बिजली दें मुख्यमंत्री ने कोविड–19 की स्थितियों की समीक्षा के दौरान कहा कि मेडिकल ऑक्सीजन के वितरण कार्य को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी जिलों में कोविड बेड की संख्या बढ़ाई जाए। अधिक संक्रमण वाले लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर नगर, वाराणसी, गोरखपुर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, झांसी, आगरा, गौतमबुद्धनगर आदि जिलों में बेड की संख्या दोगुनी की जाए। ऑक्सीजन व रेमडेसिविर आदि दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखें। होम आइसोलेशन वालों को मेडिकल किट दें उन्होंने कहा कि सभी कोरोना मरीजों को ऑक्सीजन एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के साथ ही होम आइसोलेशन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मेडिकल किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बेड की संख्या को मौजूदा अवसंरचना में ही बढ़ाया जाए, जिससे आने वाले कोविड मरीजों को इलाज में असुविधा न हो। जब कोरोना से दस कदम आगे की सोच रखेंगे, तभी उसको नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। उन्होंने व्यावहारिक धरातल पर कार्य करने पर बल दिया। मंत्री ऑक्सीजन आपूर्ति पर नजर रखें उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री कोविड बेड की संख्या में वृद्धि और ऑक्सीजन आपूर्ति पर नजर रखें। स्वास्थ्य मंत्री रेमडेसिविर सहित मेडिकल किट की दवाओं और एंबुलेंस सेवाओं की समीक्षा करें। प्रदेश में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग के विशेष अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। सभी अस्पतालों में अग्निशमन उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाए। सरकारी एवं निजी अस्पतालों का फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाए। प्रदेश में कंटेनमेंट जोन के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए। निगरानी समितियां पूरी सक्रियता से कार्य करें।

संक्षिप्त समाचार

कोरंटाइन का मकसद दूसरे को नुकसान से बचाना है

लखनऊ,(यूएनएस)। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत् दारूल निजामिया फरंगी महल में रोजेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2002 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म. उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है। इन सवालात के जवाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का एक पैनल देता है, लोग अपने सवालात दोपहर 2 बजे से 4 बजे के दौरान इन नम्बरों

9415023970 9335929670, 9415102947, 7007705774, 9140427677 और पर सवाल पूछ सकते है।

सवालः कोरोना बीमारी को देखते हुए मेडिकल एडवाइजरी यह है कि भूका न रहा जाये और हलक को लगातार तर रखा जाये तो इसको देखते हुए रोजा न रखने की क्या गुनजाइश है?

जवाबः रोजा रखना सिहत के लिए बहुत मुफीद है खास कर बलगमी मिजाज वालों के लिए रोजा अकसीर है। इस लिए मौजूदा हालात में रोजा छोड़ने की गुनजाइश नही है। लेकिन अगर कोई कोविड मरीज है तो उस के लिए रोजा छोड़ना जरूरी है ताकि उसकी जिन्दगी खतरे में न पड़े।

सवालः क्या कोरंटाइन करने का सुबूत इस्लाम में है?

जवाबः जी हॉ बिलकुल! हदीस शरीफ में हैं कि (अर्थः) न खुद नुकसान उठाओ न दूसरे को नुकसान पहुंचाओ। कोरंटाइन का मकसद दूसरे को नुकसान से बचाना है जिसका सुबूत हदीस पाक से मिलता है।

सवालः एक शख्स ने मुझ से कर्ज लिया था अब वह अदा नही कर पा रहा है तो क्या हम उस रकम को जकात की नियत से छोड़ सकते हैं?

जवाबः इस तरह जकात नही अदा होगी लेकिन अगर आप मॉफ कर देंगें तो सद्के का सवाब मिलेगा।

सवालः क्या दमा का मरीज रोजेध की हालत में आक्सीजन ले सकता है?

जवाबः आक्सीजन ले सकता है शर्त यह है कि इसमें दवा ना मिली हो।

सवालः क्या बगैर वुजू के रोजा इफ्तार कर सकते हैं?

जवाबः जी हॉ! लेकिन अच्छा यह है कि वुजू से हों।

पचास रूपेय प्रति व्यक्ति सद्का फित्र अदा करें

लखनऊ,(यूएनएस)। दारूल इफ्ता वल कजा दारूल उलूम फरंगी महल के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने अपने बयान में कहा कि इस्लामी शरीअत के साफ और खुला आदेश है कि वह ईमान वाले जिनको उनके खालिक म मालिक ने माल व दौलत से नवाजा है वह आर्थिक तौर पर कमजोर, जरूरतमन्द और गरीब बन्दों की हर मुमकिन सहायता करें। मालदार मुसलमानों पर हर साल जकात, सद्का फित्र, और कुर्बानी के आदेश इस बात का खुला हुआ सुबूत हैं। उन्होने कहा कि सद्का फित्र अदा करने का हुक्म इस्लामी शरीअत ने इस लिए दिया है कि जिन खुशकिस्मत मुसलमानों ने रमजान माह के रोजों को पूरा कर लिया है वह ईद की नमाज से पहले गरीब मुसलमानों की मदद करें ताकि वह ईद की खुशियों में शरीक हो सकें। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि फित्रः एक वाजिब सद्का है। यह उस मुसलमान पर वाजिब होता है जो जकात के निसाब का मालिक हो चाहे वह मुसाफिर यो या मुकीम, औरत हो या मर्द, नाबालिग हो या बालिग या दीवाना हो। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि हदीस शरीफ में खुजूर, किशमिश, गेहूँ आटा, जौ और दही या पनीर से सद्का फित्र निकालने का हुक्म है। इस लिए जो लोग खुजूर, जौ और किशमिश में से सद्का फित्र अदा करें तो वह इन चीजों में से किसी एक चीज सा साढ़े तीन किलो या उसकी कीमत दे दें। उन्होने कहा कि जो हजरात गेहूँ से सद्का अदा करें तो वह एक किलो पॉच सौ नव्वे ग्राम या उसकी कीमत कम से कम पचास रूपये प्रति व्यक्ति अदा करें। ज्ञात हो कि सद्का फित्र का यह ऐलान इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल की जानिब से रमजान के आखिरी अशरे में किया जाता था लेकिन इस बार कोविड–19 की वजह से पहले किया जा रहा है ताकि जरूरत मन्दों की मदद जल्द से जल्द हो सके।।

कोरोना वैक्सीन और पर्याप्त सुरक्षा किट के साथ भेजे जाए चुनाव कार्मिक

लखनऊ,(यूएनएस)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी द्वारा पंचायत चुनाव मे डियुटी के दौरान हो रही कार्मिकों को परेशानी, दिक्कत और इस दौरान कोरोना संक्रमण के डर से मची हाय तौबा के बीच पदाधिकारियों से वीडियों कान्फेसिंग करते हुए चर्चा की गई। वीडियों कान्फेसी के उपरान्त निर्णय लिया गया कि इस सम्बंध में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री और राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर अवगत कराया जाए कि जनहानि के बीच पंचायत चुनाव व्यवहारिक नही है। इसके बावजूद अगर पंचायत चुनाव में कार्मिको को चुनाव डियुटी में लगाया जा रहा है तो ऐसे कार्मिकों की डियुटी लगाई जाए जो वैक्सीन डोज ले चुके है। इसके उपरान्त उन्हें पर्याप्त सुरक्षा किट जिसमें पीपीई किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। इस वीडिया कान्फेसिंग में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम कुमार सिंह महामंत्री शिव बरन सिंह यादव अविनाश श्रीवास्तव संजीव गुप्ता अमिता त्रिपाठी सुभाष तिवारी आदि शामिल हुए। परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी और महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री और राज्य निर्वाचन आयुक्त को अवगत कराया है कि पंचायत चुनाव में ड्यूटी कर रहे कार्मिकों को आ रही समस्याओं के संबंध में आपको पूर्व में भी संज्ञानित कराया था।कोरोना महामारी की भयावह स्थितियों के बाद भी पंचायत चुनाव संपन्न कराने में दायित्व निर्वहन कर रहे कार्मिकों के लिए जरूरी सुविधाएं देने और कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए जिम्मेदार लोगों का रवैया बहुत गैरजिम्मेदाराना, असंवेदनशील और अमानवीय है। प्रतिदिन पंचायत चुनाव में लगे कार्मिकों की कोरोना संक्रमण से असमय दुखद मृत्यु की खबरें पूरे कर्मचारी समाज को हिला दे रहीं हैं । इन भयावह स्थितियों में अगर प्रदेश के नागरिकों की सेवा करते हुए , सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में , राहत , मदद पहुंचाने में अगर क्षतियां होती है तो आपात स्थिति में उन्हें बर्दास्त किया जा सकता है।

आग लगने से किसानो का खेत और खलिहान मे रखा गेहूं व भूसा जलकर राख

अमिट रेखा – सुगन्ध गुप्ता

पटहेरवा – कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बनकटा बाजार और भट्ठाही खुर्द के बीच में अज्ञात कारणों से

लगी आग से कई झोपड़िया जलकर खाक हुई आज सोमवार के दोपहर के करीब किसी बाबा के स्थान पर अज्ञात रूप से खेतों में आग लग गई बताया जा रहा है कि यह आग जीन बाबा पर सोमवार रामनवमी को लेकर पूजा पाठ के दौरान कुछ महिलाएं पुरुष पूजा करके जलती हुई आग को छोड़कर चले गए जिसके चलते यह हादसा हुआ है गनीमत सही रहा कि कोई बहुत बड़ी नुकसान नहीं हो पाया यहां का स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर आग पर काबू पा लिया कुछ व्यक्तियों का नुकसान हुआ है हबीब अंसारी झोपड़ी में रखे अनाज और चौकी जलकर नष्ट हो गया वही बनकटा निवासी मोहन का भूसा जल गया वही हबीब का झोपड़ी जल गया सादिक अंसारी का छप्पर का झोपड़ी जलकर राख हो गया मंजूर अंसारी का भी नुकसान हुआ मौके पर पहुंचे राजस्व निरीक्षक हरि नारायण गुप्ता लेखपाल ने जायजा लेते हुए नुकसान हुए व्यक्तियों का मदद करने का पूरा भरोसा दिया।

सेवरही ब्लॉक के प्रधान पद के प्रत्याशी रानी पांडे का दिल का दौरा पड़ने से निधन

– इस गांव में पंचायत चुनाव स्थगित करने की मांग

अमिटरेखा– कृष्णा यादव

तरयासुजान– कुशीनगर। प्राप्त समाचार अनुसार ग्रामसभा बसडीला बुजुर्ग विकासखंड सेवरही के निवर्तमान ग्राम प्रधान ध ामेंद्र पांडे की पत्नी रानी पांडे का रविवार की रात्रि अचानक

तबीयत खराब होने के कारण दवा इलाज कराने ले गए पर निराश एवं दुखी होकर पार्थिव शरीर के साथ घर वापस आए सोमवार को सुबह मरने की सूचना जंगल में आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई सुबह से ही लोगों की भीड़ श्री पांडे के दरवाजे पर जुटने लगी कोविड–19 का पालन करते हुए परिवार के सदस्य एवं कुछ संभ्रांत व्यक्ति पार्थिव शरीर को गांव के किनारे अग्नि में समाहित किया तथा अंतिम संस्कार किया गया बताते चलें कि ग्राम प्रधान पद की महिला सीट होने के कारण स्वर्गीय रानी पांडे का प्रधान पद के लिए पर्चा दाखिला हुआ था परंतु भाग्य में विधाता ने क्या लिखा है वह दुख की घड़ी इस परिवार पर टूट पड़ी है उपस्थित सभी लोग एक स्वर से भगवान की प्रार्थना करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने ग्राम पंचायत बसडीला बुजुर्ग में प्रधान प्रत्याशी की मौत होने के बाद निर्वाचन आयोग से इस गांव का पंचायत चुनाव स्थगित करने की मांग की है।

कोविड–19 की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

– सर्विलांस टीम के नोडल अधिकारी द्वारा लापरवाही संज्ञान में आने पर वेतन रोकने का दिया निर्देश

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। कोविड–19 की नियमित होने वाली समीक्षा बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई ।बैठक की अध्यक्षता जिलाधि

ाकारी एस० राजलिंगम के द्वारा की गई। बैठक में कोविड–19 मरीजों की संख्या, पेंडिंग केसेस, होम आइसोलेशन, स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन आपूर्ति, कोविड मृत्यु इत्यादि की समीक्षा हुई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा यह रिपोर्ट भी ली गई कि पीपीटी किट, मास्क, थर्मल स्कैनर, ऑक्सीजन सिलेंडर ,कोविड टेस्टिंग किट, मेडिकल किट इत्यादि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है या नहीं। इस संदर्भ में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वेंटिलेटर को जल्द से जल्द चालू हालत में लाया जाए । किसी भी प्रकार का मेंटेनेंस जल्द से जल्द करवाया जाए। कोविड कंट्रोल हेतु किसी भी प्रकार के मशीनी संसाधन या मानव संसाधन की आवश्यकता हो तो उसकी मांग की जाए ,कमी नहीं होने दी जाएगी। स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन के संदर्भ में पीने के पानी एवं आर०ओ० के खराब होने की शिकायत पर जिलाधि ाकारी ने कहा कि यदि समस्या है तो उसका समाधान कराया जाए एवं तत्काल व्यवस्था हेतु प्यूरीफाइड पानी की बोतलें मरीजों को उपलब्ध कराई जाए, साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि स्टोर रूम में प्यूरीफाइड पानी की बोतलों को मंगवा कर रखा जाए। जहां मरीज है वहां वार्ड की सफाई एवं टॉयलेट की सफाई का समुचित ध्यान रखा जाना चाहिए। कोविड मरीजो के खाने की डाइट एवं मेनू का भी ख्याल रखा जाए । खाने की गुणात्मकता और मात्रात्मक पर भी ध्यान रखा जाना चाहिए। इस क्रम में सर्विलांस टीम के नोडल अधिकारी की लापरवाही पर उनके वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से अपील की कि जिम्मेदारी के साथ साथ मानवता के स्तर पर भी कार्य करें। अमानवता का प्रदर्शन मत करें। कार्य को सिर्फ डेलीगेट नहीं किया जाना चाहिए बल्कि अपने स्तर से भी देखा जाना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक कुशीनगर द्वारा थाना कोतवाली हाटा का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर।

पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सचिन्द्र पटेल द्वारा थाना हाटा का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों यथा अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर का अवलोकन कर जानकारी ली गयी। अभिलेखों के उचित रख रखाव हेतु महोदय द्वारा प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया। आगंतुक रजिस्टर में अंकित शिकायतों के विषय में जानकारी लेने के बाद उनके निस्तारण की स्थितियों के संबंध में पूछताछ की गयी। पुलिस कर्मियों को थाने में आने वाले आगंतुकों के साथ शालीनता पूर्वक विनम्र व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर तत्काल उन पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही साथ महिला हेल्प डेस्क पर महिला आरक्षियों को फरियादियों से अच्छे व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिये गये एवं थाना परिसर में साफ सफाई उच्च स्तर का बनाये रखने हेतु बताया गया। महामारी के रोकथाम हेतु थाना परिसर में मौजूद तथा आने जाने वाले व्यक्तियों को कोरोना रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा–निर्देश के शत–प्रतिशत अनुपालन हेतु सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया तथा हिदायद दी गयी कि बिना मास्क के कोई भी व्यक्ति थाना परिसर में मौजूद न रहें।.महिला हेल्पडेस्क व जनसुनवाई हेतु प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता पूर्वक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया साथ ही साथ यह भी बताया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार पी.आर.वी. को इवेन्ट बनाकर उन्हें देकर मौके पर भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाय ।अपराधियों पर सतत निगरानी हेतु बनायी गयी ईगल टीम की समीक्षा की गयी। एचएस, टाप–टेन, एक्टिव लिस्ट व विगत 03 वर्षों में जेल से छूटे अपराधियों का चौकी ध हल्कावार लिस्ट बनाकर निगरानी रखने हेतु संबंन्धित को निर्देशित किया गया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत लगातार भ्रमणशील रहते हुए ऐसे प्रत्याशीध उनके समर्थकों या मतदाताओं को जो पंचायत चुनाव में विघ्न डालने का प्रयास करें उनकों चिन्हित करते हुए उनके विरुध्द नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाय थाना क्षेत्र के भीड़–भाड़ वाले बाजारों में प्रभावि रात्रि कालीन गस्त की व्यवस्था करते हुए कोरोना रोकथाम हेतु दिये गये दिशा निर्देशों का पूर्णतरू अनुपालन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना खड्डा का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

– चुनाव के मद्देनजर की गई तैयारियों की समीक्षा कर दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सचिन्द्र पटेल द्वारा थाना खड्डा का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों यथा अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर व त्यौहार रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा उक्त अभिलेखों को अद्यावधिक करने एवं उचित रख रखाव हेतु महोदय द्वारा प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया। आगंतुक रजिस्टर में अंकित शिकायतों के विषय में जानकारी लेने के उपरान्त उनके निस्तारण की स्थितियों के संबंध ा में पूछताछ की गयी। पुलिस कर्मियों को थाने में आने वाले आगंतुकों के साथ शालीनता पूर्वक विनम्र व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर तत्काल उन पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। महिला हेल्प डेस्क पर महिला आरक्षियों को फरियादियों से अच्छे व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिये गये साथ ही साथ यह भी निर्देशित किया गया कि महिला हेल्पडेस्क व जनसुनवाई हेतु प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता पूर्वक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया तथा यह भी बताया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार पी. आर.वी. को इवेन्ट बनाकर उन्हें देकर मौके पर भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाय तथा रजिस्टर को अपडेट करने हेतु निर्देशित किया गया । इसके अतिरिक्त थाने के मालखाने में रखे बलवा ड्रिल से सम्बन्धित उपकरणों की साफ सफाई करा कर रखने हेतु निर्देशित किया गया ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग किया जा सके कोरोना महामारी के दृष्टिगत निम्न निर्देश दिये गये।

कोरोना महामारी के रोकथाम हेतु थाना परिसर में मौजूद तथा आने जाने वाले व्यक्तियों को कोरोना रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा–निर्देश के शत–प्रतिशत अनुपालन हेतु सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया तथा हिदायद दी गयी कि बिना मास्क के कोई भी व्यक्ति थाना परिसर में मौजूद न रहें ।थाना हनुमानगंज क्षेत्र के भीड़–भाड़ वाले बाजारों में प्रभावि रात्रि कालीन गस्त की व्यवस्था करते हुए कोरोना रोकथाम हेतु दिये गये दिशा निर्देशों का पूर्णतरू अनुपालन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के ष्टिगत उपरोक्त के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा निम्न निर्देश जारी किये गये

अपराधियों पर सतत निगरानी हेतु बनायी गयी ईगल टीम की समीक्षा की गयी। पूर्व निर्धारित 10 बिन्दूओं(एचएस, टाप–टेन, एक्टिव लिस्ट व विगत 03 वर्षों में जेल से छूटे अपराधियों आदि) का चौकी ध हल्कावार लिस्ट बनाकर निगरानी रखने हेतु संबंन्धित को निर्देशित किया गया त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत लगातार भ्रमणशील रहते हुए ऐसे प्रत्याशीध्उनके समर्थकों या मतदाताओं को जो पंचायत चुनाव में विघ्न डालने का प्रयास करें उनकों चिन्हित करते हुए एवं ग्राम चौकीदार आदि से अभिसूचना संकलित कर उनके विरुध्द नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

अर्जक संघ कुशीनगर के द्वारा अर्जक पद्धति से मरणोपरांत शोक सभा का किया गया आयोजन

– मरणोपरांत कर्मकांड ,पिंड दान ,शैय्यादान एक अंधविश्वास है:सुभाष चंद्र पथिक

अमिट रेखा – अरविंद कुमार तर्कशील

जंगल नौगावां – कुशीनगर। 17 अप्रैल 2021 को प्रख्यात इतिहासकार , साहित्यकार एवं लोक रंग संस्था के संस्थापक माननीय सुभाष चन्द्र कुशवाहा के पिताजी माननीय जद्दू भगत पुत्र यशःकायी

ईश्वर भगत उम्र 95 वर्ष निवासी ग्राम – जोगिया– –जुनेबी पट्टी क्षेत्र– फाजिल नगर जनपद –कुशीनगर (उ0 प्र0) के 14 अप्रैल 2021 को मरणोपरांत शोक सभा का आयोजन अर्जक पद्धति से मा0 सुभाष चन्द्र कुशवाहा के आवास पर 4 बजे अपराह्न किया गया। शोक सभा का संचालन मा0 इन्द्रासन कुशवाहा ने किया । सर्वप्रथम परिजनों और आगन्तुकों द्वारा यशःकायी जद्दू भगत जी के चित्र पर माला और फूल अर्पित कर श्रद्धान्जलि दी गई । तत्पश्चात माननीय सुभाष चन्द्र कुशवाहा ने अपने पिताजी के जीवन पर आधारित लिखी कहानी श हाकिम सराय का आखिरी आदमी श का वाचन किया । इसके बाद लोक रंग के सदस्यों ने यशःकायी जद्दू भगत जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला एवं उनके संस्मरण साझा किया। अर्जक संघ कुशीनगर के जिला मंत्री माननीय इन्द्रासन कुशवाहा ने कहा कि अर्जक संस्कार और त्योहार मनाने से ही कमेरों का भला होगा । मा0 सुभाष चन्द्र पथिक (पूर्व उपाध्यक्ष अर्जक संघ उत्तर प्रदेश) ने अपने सम्बोध ान में कहा कि मरणोपरांत कर्मकांड, पिंडदान और शैय्यादान को त्यागकर शोक सभा करना कमेरों के हित में है। इस अवसर पर ग्राम एवं आस–पास के गणमान्य लोग उपस्थित थे ।उपस्थित लोगों ने अर्जक पद्धतीय शोक सभा की सराहना की।

ग्रामीणों को वोट न डाल पाने का सता रहा डर

– बिहार सीमा से 200 मीटर की दूरी पर है मतदान स्थल

– पिछले चुनावों में भी लोगों का मतपत्र छीन मोहर मारने को लेकर होता रहा है विवाद

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज विकास खण्ड के गांव पखिहवा उर्फ करजहा का राजस्व गांव बरइपट्टी में स्थित प्रा. पाठशाला के मतदान केंद्र पर पहले सिर्फ बरइपट्टी गांव के लोग ही मतदान करते रहें है, तब यहां के कुछ लोग मतदान के दिन आम लोगों का मतपत्र छीनकर खुद मोहर लगाते रहे है। जिसको लेकर मारपीट और चुनाव सुरक्षा के लिए लगी पुलिस टीम द्वारा लाठीचार्ज तक किया गया था। इस बार इस मतदान केंद्र पर करजहा गांव के दो वार्ड के लगभग दो सौ से अधिक मतदाताओं को भी उनके मूल गांव से हटाकर इस बूथ पर जोड़ते हुए उनको मतदान करने का आदेश दिया गया है। बरइपट्टी गांव के दबंग व सरकस किस्म के लोग अपना बर्चस्व कायम रखने के लिए आम आदमी को अपने पसंद के प्रत्याशी को मतदान करने के लिए दबाव बनाते हुए उनके हाथ से मतपत्र लेकर खुद मोहर लगा देते है। ऐसे में करजहा गांव के जिन दो वार्ड के मतदाताओं को इस बार बरइपट्टी के बूथ पर मतदान करने को जोड़ा गया है, वे इस बूथ पर पूर्व में हुए घटनाओं को लेकर काफी चिंतित है। अधि ाकांश मतदाता विवाद से बचने को मतदान करने को ही तैयार नहीं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी काफी बढ़ जाती है कि वह पूर्व के पंचायत चुनावों में हुए घटनाओं का संज्ञान लेकर ग्राम पंचायत पखिहवा उर्फ करजहा के दूसरे बूथ प्रा. पाठशाला बरइपट्टी पर इस बार सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के साथ ही आम आदमी को मतदान करने का अवसर उपलब्ध कराना चाहिए। आम लोगों की माने तो यह बूथ बिहार प्रान्त से लगा हुआ है, जहां इस गांव के दबंग लोग मतदान के दिन बिहार प्रान्त के संदिग्ध लोगों का भी सहयोग लेते है। यहीं कारण है कि आम आदमी मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने से ही घबड़ा रहें है।

कड़ी मशक्कत के बाद पानी टंकी पर चढ़े व्यक्ति को उतारने में कामयाब रही सेवरही पुलिस

अमिट रेखा–अल्केन्द्र पाण्डेय/शैलेश कुमार बंटी

तमकुहीराज–कुशीनगर। जनपद के ,सेवरही थाना क्षेत्र के ग्राम सभा तिवारी पट्टी में स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

के परिसर में बने पानी टंकी पर चढ़े मानसिक रूप से विक्षिप्त ब्यक्ति विश्वम्भर गुप्ता पुत्र विंध्याचल गुप्ता,साकिन–रकबा दुलमापट्टी, थाना–सेवरही, जनपद–कुशीनगर को कड़ी मशक्कत के बाद उतारने में कामयाब रही सेवरही पुलिस। बताते चलें कि कल दिनांक 18–4–2021 को समय लगभग साढ़े पांच बजे सायं को पानी टंकी पर चढ़े उपरोक्त ब्यक्ति अपने दो मित्रों जोधा निषाद,साकिन–तिवारी पट्टी व छोटेलाल,साकिन–रकबा दुलमा पट्टी को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पहुंचे अपने मय हमराही सिपाहियों सहित प्रभारी निरीक्षक सेवरही महेंद्र चतुर्वेदी मौके पर पहुंच कर उपरोक्त ब्यक्ति को उतारने के लिए हर संभव प्रयास किए ।प्रयास विफल होता देख प्रभारी निरीक्षक सेवरही द्वारा मौके की जानकारी से तहसील क्षेत्र के आला अधिकारियों को अवगत कराया गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी तमकुहीराज ए०आर०फारूकी व पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुही फुलचंद कनौजिया ने आपरेशन की कमान अपने कंधों पर लेते हुए नाटकीय घटनाक्रम में संयम का परिचय देते हुए बीस घंटे बाद आज दोपहर लगभग डेढ़ बजे उपरोक्त मानसिक रूप से विक्षिप्त ब्यक्ति को सेवरही पुलिस के अथक सहयोग से उतारने में कामयाब रहे।

कड़ी सुरक्षा के बीच 18 लाख 27 हजार मतदाता प्रत्याशियों की किस्मत का करेंगे फैसला

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। महराजगंज में कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह सात बजे से त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए हुआ मतदान। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए बूथों पर पुलिसिया चाक–चौबंद व्यवस्था की गई। कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह सात बजे से त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदान शुरू हो गया। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए बूथों पर चाक–चौबंद व्यवस्था की गई है। संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए दिशा निर्देश के मुताबिक मतदान के दौरान गाइडलाइन का पालन कराया जा रहा है। बिना मास्क मतदान केंद्रों पर किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं है। शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए ही लोग मतदान कर रहे हैं। नेपाल और बिहार से लगे सीमावर्ती क्षेत्र में भी विशेष चौकसी बरती जा रही है। किसी को भी सीमा पार से प्रवेश की अनुमति नहीं है।

इन पदों के लिए हो रहा है मतदान

जिला पंचायत सदस्य के 47 पद, ग्राम प्रधान के 882 पद, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 1166 पद तथा ग्राम पंचायत सदस्य के 11280 पद हैं। इसके लिए क्रमशरू जिपंस के लिए 721, ग्राम प्रधान 5722, क्षेत्र पंचायत 6248 तथा ग्राम पंचायत सदस्य के 14852 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। मतदान के लिए 3028 मतदेय स्थल गए हैं। इनके भाग्य को फैसला 1870370 मतदाता अपने मताधि ाकार का प्रयोग कर बैलेट बाक्स में बंद करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय), जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार ने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मतादान शुरू हो गया है। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मतदान के समय कोरोना से बचाव के गाइड लाइन का पालन कराया जा रहा है। सभी लोगों को मास्क अवश्य लगाना है। इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।
सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. – 9532989009
उप सम्पादक – के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव मो०- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर न्यायालय के अधीन ही होगें।